कोटद्वार, गुरूवार
2 अप्रैल 2026
वर्षः 48
अंकः 302 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

नाटो से अलग हो सकता है अमेरिका

ट्रम्प बोलेः इसने जरूरत के वक्त मदद नहीं की, ये कागजी शेर, पुतिन भी यही मानते हैं

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वे NATO से बाहर निकलने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने NATO को कागजी शेर बताया। एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि वे पहले से ही NATO से ज्यादा प्रभावित नहीं थे और उन्हें लगता है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी यही मानते हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका हमेशा अपने साथियों के लिए खड़ा रहा है, लेकिन इस बार कोई भी अमेरिका के साथ नहीं आया। उन्होंने यूक्रेन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां अमेरिका ने मदद की थी, लेकिन अब वही समर्थन अमेरिका को नहीं मिल रहा। यह बयान तब आया है जब NATO देशों ने ईरान जंग में अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया। अमेरिका चाहता था कि NATO देश होर्मुज स्ट्रेट खुलवाने के लिए अपने वॉरशिप भेजें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहेगा, लेकिन अमेरिका के लिए नहीं। अब 47 साल की मेहमाननवाजी खत्म हो चुकी है।\ अजीजी ने कहा कि यह रास्ता सिर्फ उन देशों के लिए खुला रहेगा,

जो ईरान के बनाए नए नियमों का पालन करेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रम्प ने रेजीम चेंज का सपना पूरा कर लिया है, लेकिन यह जमीन पर नहीं बल्कि समुद्र के नियमों में हुआ है। ईरान की सुरक्षा एजेंसी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा है कि उसने 65 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर आरोप है कि वे दुश्मन देशों के लिए काम कर रहे थे या आतंकवादी संगठनों से जुड़े थे। ईरान का कहना है कि हाल के महीनों में उसने कई लोगों को पकड़ा है, जो अमेरिका-इजराइल को जानकारी दे रहे थे और देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रहे थे। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किसी समझौते (डील) की जरूरत नहीं है। अमेरिका यह युद्ध 2 से 3 हफ्तों में खत्म कर सकता है। उन्होंने कहा- ईरान को कोई डील करने की जरूरत नहीं है। जब हमें लगेगा कि वे इतने कमजोर हो गए हैं कि कई सालों तक परमाणु हथियार नहीं बना सकते, तब हम वहां से निकल जाएंगे। डील हो या न हो, अब यह जरूरी नहीं है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान के पास जो यूरेनियम बचा है, उससे उन्हें कोई चिंता नहीं है, क्योंकि वह जमीन के अंदर है और आसानी से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अमेरिका पहले ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान पहुंचा चुका है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका जल्द ही ईरान से बाहर निकल जाएगा और इसके बाद तेल की कीमतें भी कम हो सकती हैं। इस युद्ध की वजह से थोड़ी परेशानी जरूर हो रही है, लेकिन इससे अमेरिका ज्यादा सुरक्षित हुआ है क्योंकि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट के बारे में उन्होंने कहा कि अब इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका नहीं लेगा।

अटारी-वाघा सीमा पर रिट्रीट का समय बदला

अब शाम 5:30 से 6 बजे तक होगी सेरेमनी

अमृतसर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान अटारी सीमा पर होने वाली प्रसिद्ध रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। अटारी-वाघा बॉर्डर पर हर रोज होने वाली इस देशभक्ति से भरपूर सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। नए निर्णय के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 5:30 बजे से शुरू होकर 6:00 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट सेरेमनी 5 बजे शुरू होकर साढ़े 5 बजे खत्म हो रही थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था। यह नया समय आज यानी 1 अप्रैल से लागू कर दिया गया है। यानी अब जो भी पर्यटक या स्थानीय लोग इस सेरेमनी को देखने की योजना बना रहे हैं, उन्हें नए समय के अनुसार ही पहुंचना होगा। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी भारत और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विशेष परंपरा है, जिसमें जोश, अनुशासन और देशभक्ति की झलक देखने को मिलती है। हर दिन हजारों लोग इस आयोजन का हिस्सा बनते हैं और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम जैसे नारों से माहौल देशभक्ति से गूंज उठता है।

वंदे भारत का खाना खाकर बीमार हुए मां-बेटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे आधुनिक और प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के खाने की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। यात्रियों द्वारा लगातार शिकायतें सामने आने से व्यवस्था पर चिंता बढ़ रही है। हाल ही में एक महिला यात्री ने दावा किया कि, ट्रेन में परोसा गया लंच खाने के बाद उनके होंठ सूज गए। उन्हें गंभीर एलर्जी की समस्या हो गई। इस घटना का वीडियो और पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे मामला चर्चा में आ गया है।यह मामला 27 मार्च 2026 का बताया जा रहा है। जब रांची की रहने वाली आयुषी सिंह ट्रेन नंबर 22500 वंदे भारत एक्सप्रेस से वाराणसी से देवघर की यात्रा कर रही थीं। वह ई-वन कोच में सफर कर रही थीं। ट्रेन में आईआरसीटीसी द्वारा परोसा गया लंच उन्होंने और उनके दो साल के बेटे ने भी खाया। आयुषी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, खाना खाने के कुछ ही मिनटों बाद उनके ऊपरी होंठ सूजने लगे। शरीर में एलर्जी के लक्षण दिखने लगे। उनकी हालत इतनी बिगड़ गई कि मामला गंभीर हो गया। उन्हें तुरंत मेडिकल सहायता लेनी पड़ी।महिला ने यह भी बताया, उसी खाने को खाने के बाद उनके दो साल के बेटे को दस्त की समस्या हो गई।

मोदी बोलेः कांग्रेस के राजकुमार की हार की सेंचुरी पक्की

ममता ने कहाः भाजपा हमारा पैसा लूट रही और झूठ बोल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है। पीएम धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा- जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं। इधर, असम के डिब्रूगढ़ पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- असम में डबल गुलामी वाली सरकार है, एक भ्रष्ट सरकार है। हम देख सकत हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज और

सिंडिकेट राज है। मोदी ने कहा- कांग्रेस ने भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान किया। कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष ने हजारिका को मिले भारत रत्न का मजाक उड़ाया। बाबूछवि लाल उपाध्याय असम कांग्रेस के थे। कांग्रेस ने उन्हें भी भुला दिया। लेकिन हमने उनके नाम से इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया, उनकी प्रतिमा लगाई। पीएम ने कहा- बिस्वनाथ की पहचान चाय बागानों से है। यहां का चाय बागान हमारी शान है। इस चाय बागान का मोह अगर इस चाय वाले से नहीं होगा तो किससे होगा। मैंने चाय बागान में काम करने वाली माताओं-बहनों को आशीर्वाद लेकर चुनाव प्रचार की शुरूआत की। पीएम बोले कि कांग्रेस की बेकार नीतियों ने यहां के गेंडा (एक सींग वाले) को भी नहीं छोड़ा। सेंचुरी में जो हालात हुई, हम सभी ने देखी है। कांग्रेस ने गेंडों की जमीन अपने वोट बैंक को दे दी। इसका असर आपकी रोजी रोटी पर पड़ा। रोजगार पर पड़ा। आपने बीजेपी-एनडीए सरकार बनाई। हमने अवैध कब्जा हटाया। 40 साल बाद अब फिर से इस सेंचुरी में 1 सींग वाले गैंडे दिखने लगे हैं। मोदी ने कहा कि साथियों, पूरा देश जानता है कि कांग्रेस विकास विरोधी है। कांग्रेस ने असम के अलग अलग जिलों में हजारों बीघा जमीन पर अवैध कब्जे होने दिए, वोट बैंक को बचाने के लिए ऐसा किया। यहां कीर्तन, भागवत से समाज का जुड़ाव होता। वहां कांग्रेस ने घुसपैठियों को बसा दिया। आज बीजेपी इनके खिलाफ एक्शन ले रही है। बीते 11 साल में जमीनों से अवैध कब्जे हटाए हैं। पीएम ने कहा कि असम सरकार असम के विकास के लिए ईमानदारी से काम कर रही है। बाढ़ और कटाव की परेशानी दूरी करने के लिए काम कर रही है। इसके लिए भी 18 हजार करोड़ रुपए और खर्च किए जाएंगे। इस पर काम चल रहा है। बीजेपी-एनडीए सरकार का बड़ा लक्ष्य असम को आत्मनिर्भर बनाने का भी है। दशकों पहले ये काम शुरू होना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस ने असम के सामर्थ्य के साथ काम नहीं किया। हमारी सरकार इसके सामर्थ्य को विकास के काम में लगा रही है। पीएम ने कहा कि दुनिया ने असम का वो हाईवे देखा है जहां लड़ाकू विमान उतरता है।

बंगाल एसआईआर : 60 लाख में 47 लाख आपत्तियां निपटीं

सुप्रीम कोर्ट बोला : 7 अप्रैल तक सबका निपटारा होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा 31 मार्च तक कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने बताया कि उन्हें मंगलवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का लेटर मिला है। इसमें बताया गया है कि हर दिन लगभग 17.5 लाख से 2 लाख आपत्तियों को निपटाया रहा है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सभी लंबित आपत्तियों का निपटारा 7 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है। CJI सूर्यकांत ने कहा- हम तथ्यों और आंकड़ों से काफी संतुष्ट हैं। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनल को वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़े या हटाए नामों को सुधारने का अधिकार भी दिया। कोर्ट ने कहा- वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लोगों की अपील सुन रहे ट्रिब्यूनल नए

दस्तावेजों को स्वीकार कर सकते हैं। हालांकि बिना वेरिफिकेशन दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पहले कोर्ट ने कहा था कि अपीलीय ट्रिब्यूनल ऐसे नए दस्तावेज स्वीकार नहीं करेंगे, जो पहले जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं किए गए थे। हालांकि अब कोर्ट ने अपने आदेश में बदलाव किया। सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं ने चिंता जताई कि नए वोटर के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए एक साथ बड़ी संख्या में फॉर्म-6 जमा किए जा रहे हैं। इसपर कोर्ट ने कहा- जब तक कोई चीज रिकॉर्ड में न हो, हम जुबानी दलीलों के आधार पर कोई फैसला नहीं कर सकते। इससे पहले पिछली सुनवाई में CJI सूर्यकांत ने मौखिक रूप से कहा था कि पूरे देश में रक्फ़ प्रक्रिया सुचारु रूप से हुई, लेकिन पश्चिम बंगाल में इसमें दिक्कतें सामने आईं।

ममता को सता रहा नए अधिकारियों का डर

टीएमसी उम्मीदवारों से कहा- नामांकन भरते समय सतर्क रहें

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारियों को उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के नामांकन खारिज करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने टीएमसी प्रत्याशियों से नामांकन दाखिल करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की। गौरतलब है कि बंगाल में चुनाव एलान के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। बीरभूम जिले के नानूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'सब कुछ बदल दिया गया है, यहां नया

सेटअप है। चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारी आपके नामांकन खारिज करने के लिए लगाए गए हैं, इसलिए नामांकन भरते समय सतर्क रहें।' उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राजनीतिक फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने खासकर महिलाओं से भाजपा को वोट न देने की अपील करते हुए कहा, 'वे (भाजपा) महिला विरोधी हैं, इसलिए एसआईआर में गलती का हवाला देकर उनके नाम हटाए जा रहे हैं।' इससे पहले बुरवान में एक अन्य रैली में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ग्रामीण इलाकों में लोगों से नकद पैसे देने के नाम पर उनके बैंक खाता नंबर मांग रही है। उन्होंने लोगों से ऐसी जानकारी साझा न करने की सलाह दी। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ममता बनर्जी अपनी रैलियों में भाजपा पर जमकर निशाना साध रही हैं।

हैदराबादः महिला ने बेटों की हत्या के बाद सुसाइड किया

हैदराबाद (एजेंसी)। महिला ने दो बेटों की हत्या के बाद सुसाइड कर लिया। तीनों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। महिला के पति ने दूसरी शादी की थी, जिसके बाद से परिवार में झगड़ा था। पुलिस के मुताबिक घटना कुकाटपल्ली के राघवेंद्र कॉलोनी में 31 मार्च की दोपहर 1.30 बजे हुई। पुलिस के मुताबिक श्रावंती का पति प्रवीण दोपहर में जब घर लौटा तो मेन गेट बंद था। कई बार दरवाजा खटखटाने पर भी जब गेट नहीं खुला तो प्रवीण ने पड़ोसियों की मदद से गेट तोड़ा। अंदर श्रावंती (29) और दोनों बेटों कार्तिक (12) और कौशिक (10) के शव थे। दोपहर 2 बजे पुलिस को जानकारी मिली। वहीं, बेटी की मौत की खबर सुनकर वारंगल जिले के चेन्नारावपेट में श्रावंती के परिवार ने उसके ससुराल वाले घर और पशुशाला में आग लगा दी। जमकर हंगामा भी किया। पुलिस ने लोगों को शांत कराया। अउढ नरेश रेड्डी के मुताबिक पारिवारिक विवाद में मर्डर और सुसाइड का मामला लग रहा है। जानकारी मिली है कि प्रवीण ने एक और शादी की थी।

'भारतीय तेल बाजार पर अमेरिका का दबाव मंजूर नहीं'

भारत की विदेश नीति स्वतंत्र : रूसी राजदूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेल बाजार को लेकर अमेरिका के दबाव के आरोपों पर रूस ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलिपोव ने कड़े शब्दों में कहा है कि उनका देश अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी भी तरह के अमेरिकी दबाव को पूरी तरह खारिज करता है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम है। डेनिस अलिपोव ने कहा कि अमेरिका की ओर से भारत के बाजार में रूस के लिए बाधाएं खड़ी करने की कोशिशें वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिहाज से बिल्कुल सही नहीं हैं।जब अलिपोव से पूछा गया कि क्या टैरिफ विवाद के बीच भारत रूसी तेल का आयात कम कर रहा है, तो उन्होंने कहा, "मैं अमेरिका-भारत व्यापार पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूं। लेकिन हम वैश्विक राजनीति में किसी भी तरह के दबाव को सख्ती से खारिज करते हैं। यह व्यापार करने का सही तरीका नहीं है।"उन्होंने आगे कहा, "हम साफ तौर पर देख रहे हैं कि अमेरिका भारत के बाजार में रूस के लिए बाधाएं खड़ी करने की कोशिश कर रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापार के लिए सही तरीका नहीं है। हम भारतीय तेल बाजार पर अमेरिकी दबाव को खारिज करते हैं। भारत

एक स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करता है और हम ऐसे दबाव नहीं मानने के उनके रुख का स्वागत करते हैं।" रूस के राजदूत ने यह भी कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि हाल के समय में भारत ने रूस से तेल आयात काफी बढ़ा दिया है।डेनिस अलिपोव ने कहा, "हम दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों का विस्तार कर रहे हैं। हाल ही में भारत को रूस से तेल की आपूर्ति में काफी बढ़ोतरी हुई है। हम इस दिशा में लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे दोनों देशों को लाभ हो।" पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में ऊर्जा बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। उन्होंने इसे 'अमेरिकी ऑयल डिसरप्शन डिप्लोमेसी' का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, "पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के बीच ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। लेकिन रूस और भारत के बीच व्यापार, खासकर तेल के क्षेत्र में, तेजी से आगे बढ़ रहा है और हम इसे जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित रूस यात्रा को लेकर अलिपोव ने कहा कि मॉस्को इस साल उनकी यात्रा का दिल से स्वागत करेगा। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच हर साल शिखर बैठक का एक तंत्र है और पिछले साल दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति ने भारत का दौरा किया था। अमेरिका के हमलों के जवाब में ईरान की जवाबी कार्रवाई पर रूस के रुख के बारे में पूछे जाने पर, भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा, "स्पष्ट रूप से, ईरान हमलों को नाकाम कर रहा है। इसके परिणाम अमेरिका की कथित इच्छाओं के बिल्कुल विपरीत रहे हैं। ज्यादातर समय, ईरान ने आंतरिक रूप से हमलों, अपने ऊपर हुए हवाई हमलों के जवाब में अपनी प्रतिक्रिया को और मजबूत किया है। लेकिन फिर भी, यह संकट के विस्तार का संकेत है और इस समय हम सभी को क्या करना चाहिए।

महंगाई को लेकर सरकार पर हमलावर कांग्रेस

जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जहां आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने में लगी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, 'मोदी सरकार ने देश की

रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसका सीधा असर अब 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है।' खरगे ने कहा कि आज से कई रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ने जा रहे हैं, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है, जबकि आपूर्ति कम हो रही है। इसका असर सड़क किनारे चाय की कीमतों से लेकर मिड-डे मील योजना तक पड़ेगा। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) महंगा होने से हवाई यात्रा भी आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 900 से अधिक आवश्यक दवाएं महंगी हो गई हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की लागत और बढ़ेगी। इसके अलावा उन्होंने स्टेंट की कीमतों में वृद्धि, टोल टैक्स में बढ़ोतरी, स्पीड पोस्ट शुल्क में 34 प्रतिशत इजाफा, और प्लास्टिक, स्टील व सिरेमिक उद्योगों पर असर जैसे मुद्दों को भी उन्होंने उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पीवीसी पाइप महंगे हो गए हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि आम नागरिक, किसान, मजदूर और एमएसएमई सेक्टर राहत की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर एक वीडियो साझा करते हुए इसे भाजपा लूट दिवस बताया। इस बीच, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बुधवार को 195.50 रुपये बढ़ाकर दिल्ली में 2,078.50 रुपये कर दी गई है। इससे पहले 1 मार्च को इसमें 114.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। हालांकि, घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2

संक्षिप्त समाचार

रिश्वत लेते रंगे हाथ उप शिक्षा अधिकारी गिरफ्तार

देहरादून : जनपद देहरादून में सतर्कता विभाग ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उप शिक्षा अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। थाना सतर्कता सैक्टर देहरादून में पंजीकृत मुकदमा संख्या 7/2026, धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत यह कार्रवाई की गई। सतर्कता टीम ने ट्रैप ऑपरेशन के दौरान अभियुक्त धनवीर सिंह बिष्ट, उप शिक्षा अधिकारी एवं प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी, डोईवाला को गिरफ्तार किया। उनके साथ पुष्पांजलि, निवासी डालनवाला को भी हिरासत में लिया गया। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपियों ने शिकायतकर्ता से गंगा वैली जूनियर हाईस्कूल, ऋषिकेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत पढ़ रहे छात्रों की प्रतिपूर्ति बिल पास कराने के बदले 1 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। सतर्कता टीम ने योजना के तहत जाल बिछाया और जैसे ही आरोपी रिश्वत की रकम लेते हुए पकड़े गए, उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है। (एजेंसी)

मकान बेचने के नाम पर 30 लाख की धोखाधड़ी में महिला पर केस

देहरादून। बसंत विहार थाना क्षेत्र में मकान बेचने का झांसा देकर एक दंपती से 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। पीड़ित की शिकायत पर बसंत विहार थाना पुलिस ने आरोपी महिला और उसके पति के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का आरोप है कि महिला ने उसी मकान का सौदा किसी अन्य व्यक्ति से भी कर लिया था। जीएमएस रोड स्थित कांवली रोड निवासी एसके डोगरा और उनकी पत्नी किरण बाला डोगरा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने विवेक विहार निवासी अविनाश शर्मा और उनकी पत्नी रूबी शर्मा उर्फ नीरू शर्मा का मकान खरीदने का सौदा किया था।

बच्चे के खेलने से जुड़े विवाद में दो परिवारों में मारपीट

देहरादून। मोथरोवाला इलाके में बच्चे के खेलने को लेकर हुए विवाद में घर में घुसकर मारपीट कर दी गई। मारपीट में महिलाओं समेत एक ही परिवार के कई लोग को चोट आई। मामले में नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ नेहरू कॉलोनी संजीत कुमार ने बताया कि नई बस्ती, दुर्गापुरम मोथरोवाला निवासी गंगा गुरुंग ने तहरीर दी। बताया कि सोमवार 30 मार्च रात करीब आठ बजे उनका आठ वर्षीय नाती आरव सड़क पर खेल रहा था। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले कार्तिक धीमान ने बच्चे के साथ मारपीट शुरू कर दी। गंगा ने इसका विरोध कर कारण पूछा। आरोप है कि कुछ ही देर बाद कार्तिक के परिजन राजकुमार धीमान, सरिता धीमान, खुशी धीमान और अन्य लाठी, डंडे व रॉड लेकर उनके घर में घुस गए। हमलावरों ने गंगा गुरुंग, उनकी बेटी अमृता नैनवाल और बेटे अंकित के साथ बुरी तरह मारपीट की। दबंगों ने घर की खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए और जाते-जाते जान से मारने की धमकी दी। एसओ संजीत कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आईटीबीपी और उत्तराखंड औद्यानिक परिषद के बीच हुआ समझौता ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में 'वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' के अंतर्गत भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की उत्तराखंड में तैनात वाहिनियों के लिए स्थानीय उत्पादों (ताजे फल एवं सब्जियों) की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल और उत्तराखंड औद्यानिक परिषद के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड औद्यानिक परिषद और आईटीबीपी के मध्य हुए इस समझौता ज्ञापन को राज्य के किसानों, स्थानीय उत्पादकों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कहा कि इस समझौते के माध्यम से राज्य में तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों को स्थानीय स्तर पर ताज़े फल एवं सब्जियों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे एक ओर हमारे जवानों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री उपलब्ध होगी, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल ह्लस्थानीय उत्पादों को बढ़ावाह्व देने के राज्य सरकार के संकल्प को सशक्त करेगी तथा किसानों को अपनी उपज के विपणन के लिए एक सुदृढ़ एवं स्थायी मंच प्रदान करेगी। इस व्यवस्था के तहत चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ एवं चंपावत जैसे दूरस्थ एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ ही देहरादून में भी स्थानीय उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता सीमांत क्षेत्रों में किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक होगा और उन्हें बाजार तक पहुंचने में आने वाली कठिनाइयों से भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा एवं हमारे जवानों के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। यह समझौता दोनों पक्षों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड सरकार और आईटीबीपी के मध्य स्थानीय उत्पादों की खरीद के लिए पहले भी समझौता किया गया, जिसके काफी अच्छे परिणाम रहे हैं। अभी तक आईटीबीपी 14 करोड़ 77 लाख रुपये के स्थानीय उत्पादों की खरीद कर चुका है, जिसे और बढ़ाने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। उत्तराखंड में आईटीबीपी वार्षिक मांग की 25 प्रतिशत फल एवं सब्जियाँ भी खरीदती है, तो इससे स्थानीय किसानों को लगभग 6 करोड़ रुपये की आमदनी होगी।

मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर मुकेश जोशी को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर मुकेश जोशी के निधन पर उनके जोहड़ी, देहरादून स्थित आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान उनके परिजनों से भेंट कर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में शामिल दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। अधिकारियों को प्रदेश में ऑपरेशन प्रहार चलाकर अवांछित और हुड़दंग करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

एक लाख का इनामी बदमाश ऋषिकेश में गिरफ्तार

देहरादून। हार के कुख्यात कल्लू गैंग के एक लाख रुपये के इनामी अपराधी को दून पुलिस ने ऋषिकेश से गिरफ्तार कर लिया है। यह बदमाश करीब छह माह पूर्व ओडिशा की कटक जिला जेल तोड़कर फरार हो गया था। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि बुधवार को ओडिशा पुलिस ने कोतवाली ऋषिकेश को सूचना दी कि कटक जेल से दो अक्तूबर 2025 को फरार हुआ बंदी राजा साहनी (34) त्रिवेणी घाट क्षेत्र में एक गोल्डन रंग की स्विफ्ट डिजायर कार में देखा गया है। राजा साहनी मूल रूप से मीरगंज, बेगूसराय (बिहार) का निवासी है। सीओ ऋषिकेश नीरस सेमवाल के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीमें गठित की गईं। त्रिवेणी घाट और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नटराज चौक से टिहरी जाने वाले मार्ग पर सुमन पार्क के पास पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी की कार को रोक लिया। कार की पिछली सीट पर बैठे राजा साहनी को ओडिशा पुलिस ने शिनाख्त कर लिया। जिसके बाद उसे दबोच लिया गया। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी पर ओडिशा के कटक और जजपुर में कई गंभीर केस दर्ज हैं।

नई ऊर्जा और उमंग के साथ स्कूलों में नया सत्र शुरू

ऋषिकेश। शिक्षण संस्थानों में नई ऊर्जा और उमंग के साथ स्कूलों में नया सत्र शुरू हुआ। नवीन सत्र के प्रथम दिवस पर सभी छात्र छात्राओं का स्वागत फूल माला बरसा कर हुआ। इसके अलावा हवन पूजन सहित अन्य कार्यक्रम भी हुए। बुधवार को आदर्श नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में नवीन सत्र के प्रथम दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल गेट पर विद्यालय की शिक्षिकाओं ने प्रवेश करने वाले सभी छात्र छात्राओं का स्वागत फूल बरसाकर और तिलक लगाकर किया। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को नवीन शैक्षिक सत्र की शुभकामनाएं दी। बच्चों में भी नए कक्षा में आने से उमंग का माहौल बना रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य गुरु प्रसाद उनियाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के मन में विद्यालय के प्रति आत्मीयता एवं उत्साह उत्पन्न करना है। नवीन सत्र के शुभारंभ के साथ ही सभी विद्यार्थियों ने नई ऊर्जा और उमंग के साथ अपने अध्ययन कार्य का प्रारंभ भी किया। मौके पर भाग सिंह रावत, दिगंबर गुसाईं, मन मोहन शाह, प्रियंका, संतोष डबराल, अर्पणा रावत, निशा शर्मा, संजू शर्मा, स्वाति आदि उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज देहरादून स्थित रेंजर्स ग्राउंड में विश्व शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जैसे आध्यात्मिक आयोजनों में सम्मिलित होना जीवन का अत्यंत सौभाग्यपूर्ण क्षण होता है। उन्होंने संतों के सानिध्य और उनके मार्गदर्शन को जीवन के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि ऐसे अवसर व्यक्ति को आध्यात्मिक उन्नति और आत्मिक शांति की ओर अग्रसर करते हैं। मुख्यमंत्री ने कथा व्यास 'धर्मरत्न' परमपूज्य देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके जीवन को भक्ति, साधना और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण बताया। कहा कि महाराज जी ने अल्पायु में ही श्रीमद्भागवत महापुराण को कंठस्थ कर समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का कार्य प्रारंभ कर दिया था, जो अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महाराज जी का अनुशासन और तपस्या समाज के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य मानवता के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विशेष रूप से ह्लप्रियाकांत जू विद्या धन योजनाह्व के माध्यम से बेटियों की शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं और समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भागवत महापुराण को आध्यात्मिक चेतना का आधार बताते हुए कहा कि यह ग्रंथ भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और धर्म का समन्वय प्रस्तुत करता है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और उपदेशों के माध्यम से जीवन के गूढ़ रहस्यों का सरल समाधान मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब भौतिकता की दौड़ में मनुष्य मानसिक रूप से अशांत है, ऐसे में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण आंतरिक शांति और आत्मबोध का मार्ग प्रशस्त करता है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कार्य बहिष्कार कर किया प्रदर्शन

विकासनगर। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं व मिनी कर्मचारियों ने बुधवार को अपनी मांगों को लेकर चकराता ब्लॉक में जोरदार प्रदर्शन करते हुए बहिष्कार किया। प्रदर्शन में ब्लॉक उपाध्यक्ष दिनशा चौहान, कोषाध्यक्ष आशिया बानो, प्रतिमा जोशी, रेखा राणा, रुबिना तोमर, सविता, पिंगला देवी, निशा चौहान, साधना चौहान, बबली, गुड्डी, पूर्णिमा, रबिता, अंजू, मीना सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

कैफे में युवती से छेड़खानी, विरोध पर दी मारने की धमकी

रुद्रपुर। तीन युवकों ने एक कैफे में युवती के साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मंगलवार शाम एक युवती अपनी दो सहेलियों के साथ एक कैफे में गई थी। आरोप है कि वहां मौजूद तीन युवकों ने उसके साथ छेड़खानी शुरू कर दी। युवती द्वारा विरोध करने पर आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देने लगे। घबराकर युवती अपनी सहेलियों के साथ ई-रिक्शा से घर लौटने लगी, लेकिन आरोपियों ने उसका पीछा किया और घर तक पहुंचकर भी उसे परेशान किया।

पूर्व विधायक शेर सिंह गड़िया ने दिया आंदोलन को समर्थन

बागेश्वर। कांडा पृथक ब्लॉक की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। पूर्व विधायक शेर सिंह गड़िया और राज्य आंदोलनकारी गंगा सिंह पांगती ने आंदोलन को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि जब वह विधायक थे तक उन्होंने कांडा विकासखंड का संकल्प पत्र रखा था। कांडा विकासखंड बनकर रहेगा कांडा कमस्यार का आंदोलन इतिहास भी बनेगा। कालिका मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में राज्य आंदोलनकारी पांगती ने कहा कि गुरुवार वह क्रमिक अनशन पर बैठेंगे। जब तक मुख्यमंत्री व पीएमओ से लिखित में नही आएगा तब आंदोलन जारी रहेगा। गोविंद सिंह भंडारी की अध्यक्षता में आयोजित महातपस्या के दसवें दिन पूर्व प्रधान भाजपा जिला उपाध्यक्ष सविता नगरकोटी, उमा जोशी, नीमा नगरकोटी बैठे। इस मौके पर ग्राम प्रधान धपोलासेरा योगेश धपोला, गोपाल सिंह राठौर, संतोष जोशी, जिला पंचायत सदस्य सरोज आर्या, गोपा धपोला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पूजा आर्या आदि मौजूद रहे। संचालन आलम सिंह मेहरा ने किया।

हनुमान जयंती पर बाइक रैली के चलते डायवर्ट रहेगा ट्रैफिक

देहरादून। हनुमान जयंती के मौके पर गुरुवार को शहर में बाइक रैली निकाली जाएगी। रैली सुबह करीब 11 बजे हिन्दू नेशनल इंटर कॉलेज से शुरू होकर सहारनपुर चौक, प्रिंस चौक, गांधी रोड, दर्शन लाल चौक, अंबेडकर पार्क, पलटन बाजार, हनुमान चौक, कांवली रोड होते हुए वापस वापस लक्ष्मण चौक सथित हिन्दु नेशनल इंटर कॉलेज में समाप्त होगी।

एसपी ट्रैफिक लोकजीत सिंह ने बताया कि रैली के दौरान जाम की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट प्लान जारी किया है।

यह होगा प्लान–

बाइक रैली के स्कूल से शुरू होने पर निरंजनपुर मंडी, लालपुल, मातावाला बाग कट से सहारनपुर चौक की ओर आने वाले यातायात को जीएमएस रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा। प्रिंस चौक रेलवे स्टेशन से आने वाले यातायात को रोक-रोक कर छोड़ा जाएगा।

– बाइक रैली के सहारनपुर चौक से पहले ही बल्लीवाला व लक्ष्मण चौक से कोई भी वाहन सहारनपुर चौक की ओर नहीं आएगा। बल्लीवाला से ट्रैफिक कमला पैलेस और लक्ष्मण चौक से पार्क रोड की ओर भेजा जाएगा।

– बाइक रैली का पिछला हिस्सा प्रिंस चौक पास होने पर मंडी, सहारनपुर चौक, बल्लीवाला से यातयाता को सामान्य कर दिया जाएगा। प्रिंस चौक से तहसील चौक जाने वाले ट्रैफिक को चंदननगर कट होते हुए दून चौक की ओर भेजा जाएगा।

चारधाम रजिस्ट्रेशन हेतु 69 काउंटर स्थापित

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। ऋषिकेश, विकासनगर और हरिद्वार में इस बार 69 काउंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें सर्वाधिक काउंटर ऋषिकेश में हैं। मोबाइल रजिस्ट्रेशन टीमें भी बुजुर्ग यात्रियों की सुविधा के लिए तैनात की जा रही हैं। बुधवार को यात्रा प्रशासन संगठन के ओएसडी डॉ. प्रजापति नौटियाल ने चारधाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण में काउंटरों का जायजा लिया। उन्होंने रजिस्ट्रेशन से संबंधित एजेंसी से काउंटरों की जानकारी ली। बताया कि ट्रांजिट केंद्र, यात्रा बस अड्डा और श्रीहेमकुंड गुरुद्वारा में कुल 34 काउंटर स्थापित किए जा रहे हैं। विभिन्न शिफ्टों में रजिस्ट्रेशन के लिए करीब 120 कर्मचारियों की तैनाती भी की जा रही है। हरिद्वार में ऋषिकुल मैदान में 20, विकासनगर स्थित सहसपुर और नया गांव में 15 काउंटर इस बार स्थापित किए जा रहे हैं।

रेलवे भूमिधरों के बीच भूमि विवाद पर एसडीएम ने दोनों पक्षों के कागज खंगाले

देहरादून। झड़ीपानी में रेलवे व स्थानीय लोगों के बीच भूमि का विवाद को लेकर प्रशासनिक टीम ने जांच शुरू कर दी है।

एसडीएम राहुल आनंद, नायब तहसीलदार उपेंद्र राणा, रेलवे अधिकारियों ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर भूमि सीमांकन की कार्रवाई की। झड़ीपानी रेलवे की भूमि पर कब्जे को लेकर लंबे समय से रेलवे व भूमिधरों के बीच विवाद चल रहा है। कई बार लोगों को नोटिस दिए जा चुके हैं व मौके पर विवाद भी हुआ है। इसी कड़ी में एसडीएम राहुल आनंद व नायब तहसीलदार उपेंद्र पंवार टीम को लेकर मौके पर पहुंचे व रेलवे तथा भूमिधरों के नक्शों का मूल्यांकन किया। एसडीएम राहुल आनंद ने कहा कि लंबे समय से रेलवे व भूमिधरों मकड़ेती, झड़ीपानी व थालागांव के बीच सीमांकन को लेकर विवाद चल रहा है। जिसमें प्रशासन की टीम ने लोगों व रेलवे की रजिस्ट्री, नक्शे आदि का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि एक बार रेलवे व भूमिधरों के कागजों का मिलान किया जाएगा व 1940 के समझौते की मूल प्रति को देखा जाएगा।

मरीजों के लिए देहरादून में खुलेगा होलिस्टिक सेंटर

देहरादून। विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस की पूर्व संध्या पर मायरा केयर फाउंडेशन ने उत्तरांचल प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता कर समाज में ऑटिज़्म (एएसडी) को लेकर जागरूकता और समावेशिता का कड़ा संदेश दिया। फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. निशांत नवानी ने कहा कि देश में ऑटिज़्म के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन जागरूकता के अभाव में परिवारों को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सह-संस्थापक डॉ. जया नवानी ने बताया कि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में संसाधनों की कमी से ऐसे बच्चे अक्सर उपेक्षित रह जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर पहचान और हस्तक्षेप से 80% मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।

जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर संघर्ष वाहिनी का हल्ला

बागेश्वर। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर संघर्ष वाहिनी ने कड़ी नाराजगी जताई है। संगठन के पदाधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर 15 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। संगठन ने अस्पताल में दो नए फिजिशियन की तत्काल नियुक्ति करने और तब तक वर्तमान फिजिशियनों को कार्यमुक्त न करने की मांग की। साथ ही एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की शीघ्र तैनाती पर भी जोर दिया। पदाधिकारियों ने 18 करोड़ रुपये की लागत से बनी चौथी मंजिल के 18 महीने बाद भी शुरू न होने पर नाराजगी जताते हुए इसे जनता के लिए खोलने की मांग की। उन्होंने कहा कि मरीजों को दवाइयां बाहर से लिखी जा रही हैं,

चार धाम यात्रा के दौरान चिकित्सा समस्याएं और सड़क दुर्घटना सुरक्षा उपाय विषयक पर सेमिनार आयोजित

देहरादून। लोकभवन, देहरादून में आज राज्यपाल गुरमीत सिंह एवं स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने हेमवती नंदन चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ह्यचार धाम यात्रा के दौरान चिकित्सा समस्याएं और सड़क दुर्घटना सुरक्षा उपाय विषयक सेमिनार का शुभारंभ कर पिलग्रिमेज एजुकेशन हैंडबुक का विमोचन किया। इस अवसर पर मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड देश का प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र है, जहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों श्रद्धालु देश के विभिन्न हिस्सों से दर्शन हेतु पधारते हैं। यह यात्रा न केवल आस्था का विषय है, बल्कि राज्य की आर्थिकी का महत्वपूर्ण आधार भी है, जिससे स्थानीय निवासियों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। होमस्टे, स्थानीय उत्पादों एवं अन्य सेवाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में चार धाम यात्रा को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने हेतु व्यापक तैयारियां की गई हैं। राज्य सरकार द्वारा 243 चिकित्सा अधिकारियों की तैनाती की गई है, जिनमें 33 विशेषज्ञ चिकित्सक भी शामिल हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

कविता पाठ में कोमल व नृत्य में मीनाक्षी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान कविता पाठ प्रतियोगिता में कोमल व नृत्य प्रतियोगिता में मीनाक्षी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य मनोज उप्रेती ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। आज कई विद्यार्थी खेल के माध्यम से देश विदेश में अपने क्षेत्र व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में होने वाली हर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी डा. लक्ष्मी जोशी, डा. बबलू कुमार ने बताया कि इस दौरान कविता पाठ में कोमल प्रथम स्थान पर रही। रंगोली में अवंतिका व खुशी ने प्रथम, शिवानी व वंदना ने द्वितीय और काजल व दीपिका तृतीय स्थान पर रहे। एकल गायन में सोनम प्रथम व सपना द्वितीय रहे। एकल नृत्य में मीनाक्षी प्रथम, निर्मला द्वितीय व प्रेरणा तृतीय स्थान पर रहे। सामूहिक नृत्य में खुशी, मीनाक्षी, वंदना, निर्मला व मनीषा की टीम प्रथम रही।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग ने कुक्कुट पालन को बढ़ावा देने की पहल शुरू की है। इसके तहत ग्रामीण किसानों को करीब 6500 से अधिक चूजे वितरित किए जा रहे हैं। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि जिला योजना के अंतर्गत इस वर्ष करीब साढ़े छह हजार चूजों का वितरण किया जा रहा है। सामान्य वर्ग के परिवारों को ग्राम प्रधान की संस्तुति पर 20 रुपये प्रति चूजे की दर से 50 से 100 चूजे दिए जा रहे हैं। वहीं अनुसूचित जाति वर्ग के चयनित परिवारों को स्पेशल कंपोनेंट के तहत प्रति परिवार 40 चूजे निःशुल्क दिए जाएंगे। साथ ही मुर्गी बाड़े के लिए जाली भी दी जा रही है। एक माह के चूजे जीवित रहने की संभावना अधिक रहती है। (एजेंसी)

8 अप्रैल तक भरे परीक्षा फॉर्म

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर-2026 की विभिन्न परीक्षाओं के लिए आवेदनपत्र भरने की तिथियों में विस्तार किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार छात्र बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म 8 अप्रैल तक भर सकते हैं, जबकि 1500 विलंब शुल्क के साथ 12 अप्रैल तक आवेदन किया जा सकेगा। (एजेंसी)

प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष बनें बासुदेव

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड सभागार कीर्तिनगर में प्रधान संगठन के चुनाव के साथ ही कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस मौके पर बासुदेव प्रसाद भट्ट को प्रधान संगठन कीर्तिनगर का ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मनीष दंगवाण को शामिल किया गया है। राम सिंह चौहान प्रधान धारकोट ढुंडसिर को निर्विरोध ब्लॉक संगठन का वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया है।

इसके अलावा प्रधान लक्ष्मोली सुरेश सिंह नेगी को निर्विरोध जिला कार्यकारिणी के लिए चुना गया है। प्रधान संगठन के जिला सदस्य के लिए मलेथा की प्रधान रश्मि रावत को मनोनीत किया गया है। (एजेंसी)

6 अप्रैल को आयोजित होगा जनता दरबार

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में आगामी सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जनसंवाद/जनता दरबार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर समस्त विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे जिससे दर्ज समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निस्तारण किया जा सके। प्रत्येक सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिससे जनप्रतिनिधियों सहित स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके।

लाख गुहार के बाद भी शहर को नहीं मिल रहा पार्किंग स्थल

पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण शहर में बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

कोटद्वार में पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण सड़कों पर बनी जाम की स्थिति

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लाख दावों के बाद भी सरकारी सिस्टम शहर में पार्किंग व्यवस्था नहीं बना पा रहा है। शहर में कुछ स्थलों को चिह्नित करने के बाद भी आज तक इन्हें पार्किंग स्थल के रूप में विकसित नहीं किया गया। नतीजा, सड़कों पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन जाम का मुख्य कारण बनते जा रहे हैं। सुबह से ही सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चलते हैं। जबकि, स्थानीय जनता लगातार प्रशासन, नगर निगम व जनप्रतिनिधियों के समक्ष पार्किंग व्यवस्था बनाने की मांग उठा रही है। त्योहार व शादी सीजन में स्थिति और अधिक विकराल हो जाती है।

शहर में लगातार वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में पार्किंग स्थल नहीं होने से यातायात व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही अन्य मार्गों पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन जाम का मुख्य कारण बन रहे हैं। कई स्थानों पर तो आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। शहरवासियों की शिकायत के बाद नगर निगम ने एक वर्ष पूर्व शहर में सड़क किनारे चौड़े स्थानों को पार्किंग स्थल बनाने का निर्णय लिया था। बकायदा पार्किंग स्थल के लिए चिह्नित प्रेक्षागृह के निचले तल व तहसील के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दीवार पर पार्किंग शुल्क भी दर्शाया गया था। इसके तहत दोपहिया वाहनों के लिए दस रुपये व चार पहिया वाहनों के लिए बीस रुपये शुल्क निर्धारित किया गया था। लेकिन, सरकारी सिस्टम की यह योजना धरातल पर कहीं भी नजर नहीं आई। वहीं, कुछ माह पूर्व नगर निगम, प्रशासन, एनएच व सिंचाई विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए झंडाचौक से बेस अस्पताल तक पार्किंग स्थलों की तलाश की। सिस्टम ने दस दिन के भीतर योजना पर कार्य करने का आश्वासन दिया था। लेकिन, यह दावा भी हवाई साबित हुआ।

दुर्घटनाओं का खतरा

शहर में पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण वाहन सड़क पर ही खड़े रहते हैं। ऐसे में आमजन को पैदल चलने का भी रास्ता नहीं मिल पाता। नतीजा लोगों को कई बार बीच सड़क से होते हुए आवागमन करना पड़ता है। जिससे हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। यही नहीं स्टेशन रोड, पटेल मार्ग व देवी रोड में तो रेहड़ी-ठेली व दुकानदारों ने भी सड़क पर अपना कब्जा जमाया हुआ है। यदि पार्किंग स्थल मिल जाता है तो शहर में यातायात की व्यवस्था में काफी सुधार होगा।

ब्रिज निर्माण के लिए धनराशि मिलने का स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल ने कोटद्वार रेलवे स्टेशन में फुटओवर ब्रिज निर्माण के लिए धनरशि स्वीकृत होने पर खुशी व्यक्त की है। कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल लगातार सामाजिक मुद्दों को लेकर संघर्ष करता है।

उत्तराखंड क्रांति दल युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय संगठन मंत्री रोहित डंडिरयाल ने कहा कि वर्तमान में स्टेशन में फुटओवर ब्रिज नहीं होने के कारण लकड़ीपड़ाव, काशीरामपुर तल्ला, लालपानी सहित अन्य क्षेत्र के लोग पटरी से होकर आवागमन करते थे। जिसके कारण हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। कुछ माह पूर्व उक्रांद ने इस संमस्या से रेलवे विभाग के मुरादाबाद मंडल को अवगत करवाया। जिसके बाद मार्ग निर्माण के लिए 21.93 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। कहा कि स्टेशन में फुटओवर ब्रिज मिलने से छात्र-छात्राओं को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। केंद्रीय उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करता रहेगा।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

मुरादाबाद मंडल के शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद, लक्सर, ऋषिकेश, एवं योग नगरी ऋषिकेश स्टेशन के क्लॉक रूम को 5 साल के लिए संचालन और रखरखाव हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 15.04.2026 (टाइम 11:00 am) को बोली आमंत्रित करने की जानी है। ई–नीलामी www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्ते वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1092/2026

अभिभावकों का शोषण कर रहे निजी विद्यालय

कोटद्वार में तहसीलदार साक्षी उपाध्याय को ज्ञापन सौंपते पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने निजी विद्यालयों पर अभिभावकों के शोषण का आरोप लगाया है। कहा कि पुस्तक व कॉपी खरीदने के नाम पर अभिभावकों को परेशान किया जा रहा है। निर्धारित दुकानों से ही सामान खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है।

इस संबंध में पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने प्रशासन के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत ने कहा कि सरकार निजी विद्यालयों की मनमानी पर लगाम नहीं लगा पा रहा है। कहा कि वर्तमान में निजी विद्यालयों में नई कक्षाओं में प्रवेश चल रहा है। निजी विद्यालयों के संचालकों ने अपने निजी हित के लिए बाजार में दुकानें भी निर्धारित कर रखी है, जहां से अभिभावकों को भी अपने बच्चों के लिए कापी किताबें खरीदने के लिए मजबूर कर रहे है। कहा कि नर्सरी से लेकर पहली कक्षा तक के बच्चों की कापी किताबें दो से तीन हजार तक पड़ रही है, वहीं कक्षा दो से लेकर पांचवी कक्षा तक पांच हजार व 9वीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक बच्चों की किताब कापी का सेट दस हजार रूपये तक में दिया जा रहा है। बाजार में एनसीईआरटी की किताबों का सेट छह सौ रूपए लेकर एक हजार तक पड़ रहा है। लेकिन, निजी विद्यालयों के संचालक अभिभावकों को निर्धारित दुकानों से ही कापी किताब खरीदवा रहे हैं। कहा कि निर्धारित दुकानों के दुकानदार उन्हें पक्के बिल की बजाए सादे कागज पर बिल बना रहे है, जिससे स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि टैक्स की चोरी की जा रही है। उन्होंने मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। इस मौके पर राजेश बिष्ट, मेहरबान सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह बिष्ट, मदन सिंह नेगी, नंदन सिंह रावत, अनुसूया प्रसाद सेमवाल मौजूद रहे।

एसएसबी शूटिंग टीम ने पांच पदक जीते

श्रीनगर गढ़वाल : केंद्रीयकृत प्रशिक्षण केंद्र एसएसबी में 26वीं अखिल भारतीय पुलिस शूटिंग (एआईपीएमडी) प्रतियोगिता 2025–26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लौटने वाली एसएसबी शूटिंग टीम का स्वागत किया गया। यह प्रतियोगिता 24 से 30 मार्च तक सीआरपीएफ की ओर से गुरुग्राम में आयोजित की गई थी। उप महानिरीक्षक सुभाष चंद नेगी ने टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में एसएसबी टीम ने कुल 2 स्वर्ण, 2 रजत एवं एक कांस्य पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में डिप्टी कमांडेंट अनिल सिंह यादव ने 50 यार्ड स्नैप प्रैक्टिस (पिस्टल) में स्वर्ण पदक, आरक्षी पांडिया राजा एस ने 50 यार्ड स्नैप प्रैक्टिस (एसएमजी) में स्वर्ण तथा 40 यार्ड स्टैंडिंग पोजीशन प्रैक्टिस (एसएमजी) में कांस्य पदक हासिल किया। आरक्षी दिनेश कुमार ने 25 यार्ड पिस्टल इवेंट एवं 30 यार्ड अटैक प्रैक्टिस (पिस्टल) में दो रजत पदक अपने नाम किए। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री वामिका परमार (VAMIKA PARMAR) का जन्म प्रमाण पत्र नगर निगम कोटद्वार द्वारा निर्गत किया गया था। जिसमें मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश वैधिका परमार (VAIDHIKA PARMAR) अंकित है। जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम वामिका परमार (VAMIKA PARMAR) है। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम वामिका परमार (VAMIKA PARMAR) अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

विपिन परमार पुत्र स्व0 विनोद भूषण निवासी शिब्बूनगर, सुखरौ, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।

(0488/21)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा विस्तारीकरण सूचना

इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित **निविदा संख्या– 11/2025–26, 12/2025–26, 13/2025–26 एवं 14/2025–26** जोकि दिनांक–01/04/2026 को खोली जानी थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदाओं को क्रय करने की तिथि को दिनांक– 13/04/2026 को पूर्वाहन् 11:30 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराहन् 15:30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्ते पूर्ववत् रहेंगी।

अधिशासी अभियन्ता, विoविo खण्ड, नैनीडांडा

पत्रांक : 01/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6 दिनांक : 01.04.2026

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें "राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

मुरादाबाद मंडल के हरिद्वार स्टेशन पर निर्गत पार्सल शेड के पास दोपहिया वाहनों की पैकिंग और अन्य पार्सल पैकिंग सेवा के लिए अनुबंध" 03 साल हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 16.04.2026 टाइम 11:00 am को बोली www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं। 1091/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सेवानिवृत्ति पर महाविद्यालय में विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पीजी कॉलेज कोटद्वार क़े स्टाफ क्लब की और से महाविद्यालय की वरिष्ठ प्रोफेसर बसंतिका कश्यप क़े सेवानिवृत्ति पर महाविद्यालय में विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रो. बसंतिका कश्यप उच्च शिक्षा में 28 साल की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत हुई इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापकों तथा शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा प्रो वसंतिका कश्यप को पुष्प गुच्छ व शॉल भेंट कर महाविद्यालय में उनकी सेवाओं को याद किया गया ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय क़े प्राचार्य प्रो डीएस नेगी तथा संचालन डॉ सुषमा थलेडी ने किया कार्यक्रम में कोलेज स्टाफ क्लब क़े सचिव डॉ जुनीष कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ संदीप कुमार, प्रोफेसर रमेश सिंह चौहान, प्रोफेसर आशा देवी, प्रोफेसर आदेश कुमार, डॉ सुनीता नेगी, डॉ राखी डिमरी, डॉ सुशील बहुगुणा, डॉ अभिषेक गोयल, डॉ प्रवीन जोशी, डॉ प्रीति रानी, डॉ तृप्ति दीक्षित, डॉ एस क़े गुप्ता ,डॉ पवन भट्ट ,डॉ अजय सिंह अर्चना भंडारी, अरुणा, डॉ बिनोद डॉ रिचा जैन, डॉप्रियंका अग्रवाल, डॉ हरीश ,डॉ रश्मि बहुखंडी, डॉ स्मृति तिवारी अरविन्द दुदपुड़ी सहित समस्त प्राध्यापक गण कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

वाद—विवाद प्रतियोगिता समारोह का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार :डॉ. पीताम्बर दत्त बर्थवाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

वाद–विवाद प्रतियोगिता का विषय "जल संरक्षण में महिलाओं की भूमिका" था। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभाग द्वारा करवाई गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र–छात्राओं का पुरस्कार वितरण रहा। प्रतियोगिताओं में प्रथम पर सुप्रिया ,द्वितीय देबाशीष,तृतीय वंशिका रही। निर्णायक मण्डल में डॉ. चन्द्रप्रभा कण्डवाल, डॉ. सुमन सिंह एवं डॉ. रंजना सिंह। ईको–फ्रेंडली दिवाली पोस्टर प्रतियोगिता में सुप्रिया बुड़ाकोटी प्रथम, देबाशीष द्वितीय, हर्षित वर्मा तृतीय ,रोहित कुमार चतुर्थ रहे।

निबन्ध प्रतियोगिता में सुप्रिया प्रथम, प्रीति नेगी द्वितीय, देबाशीष और वंशिका तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजेता छात्र–छात्राओं को प्राचार्य द्वारा पुरस्कार दिया गया। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास, अनुशासन और आत्मविश्वास अत्यन्त आवश्यक है। आज जिन विद्यार्थियों को पुरस्कार मिल रहा है वे सभी अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। साथ ही, जो विद्यार्थी आज पुरस्कार से वंचित रह गए हैं उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है, असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी होती है। विभाग प्रभारी डॉ. राखी डिमरी द्वारा समस्त छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापकों के उत्साहवर्धन हेतु प्राचार्य को धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. चन्द्रप्रभा कण्डवाल, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. रंजना सिंह, डॉ. श्वेता कुकरेती, डॉ. श्रुति अग्रवाल, श्री वीरेन्द्र सैनी, श्री शीशपाल राणा, श्री कुलदीप एवं स्नातक व स्नातकोत्तर के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता कुकरेती एवं श्री देबाशीष द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 874/18ए0सी0 दिनांकः- 31/03/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 07/04/2026 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 03/04/2026 से 06/04/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 07/04/2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 77 से 95 में पैच मरम्मत का कार्य।	54000.00	2000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 98 से 114 में पैच मरम्मत का कार्य।	48000.00	2000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
3	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 115 से 139 में पैच मरम्मत का कार्य।	72000.00	2500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
4	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 151-153, में पैच मरम्मत का कार्य।	6000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
5	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 158-173 में पैच मरम्मत का कार्य।	45000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
6	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 182-184 में पैच मरम्मत का कार्य।	6000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
7	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 188-189 में पैच मरम्मत का कार्य।	3000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
8	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार -पाखरौ मोटर मार्ग के किमी0 13 से 16 में पैच मरम्मत का कार्य।	9000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
9	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार -पाखरौ मोटर मार्ग के किमी0 17 से 25 में पैच मरम्मत का कार्य।	24000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 08/04/2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

(इं0 निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

ललित गर्ग

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा।

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है- अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न- अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को ह्लराम का दासह्व कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।

हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है- 'ज्ञानिनामग्रगण्यम'। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है।

हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊजार्वान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है। यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी। आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है। जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा। जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा। जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी।

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा। यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है- अपने भीतर के हनुमान को जगाइए, जीवन को शक्ति, ज्ञान, भक्ति और सेवा का संगम बनाइए।

संपादकीय

शिक्षा का कमाऊ कारोबार

आज के आधुनिक युग में शिक्षा एक तपस्या नहीं बल्कि व्यवसाय है जो कुछ पूंजीपतियों एवं बड़े लोगों के हाथों में खेल रही है। खास तौर से स्कूली शिक्षा को लेकर सरकार के वह तमाम दावे और नियंत्रण निरर्थक साबित हुए हैं जिसमें शुल्क, यूनिफॉर्म एवं पुस्तकों को लेकर अभिभावकों को कोई राहत मिल पाए। वर्ष 2026—27 का शैक्षिक सत्र प्रारंभ हो चुका है जिसमें अभी पहले खर्चा अभिभावकों को महंगी किताबें एवं जबरन थोपी गई अन्य लेखन सामग्री के तौर पर झेलना पड़ा है। ऐसे विद्यालय जहां एनसीईआरटी की पुस्तक लागू की गई है वहां भी निजी प्रकाशकों की किताबें जबरन पाठ्यक्रम में शामिल की गई है जबकि एनसीईआरटी की महज एक आध पुस्तक ही वितरकों द्वारा बेची जा रही है। "एक समान शिक्षा नीति" की सोच के तहत केंद्र सरकार ने सीबीएसई संचालित विद्यालयों में एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू करने की घोषणा की थी लेकिन निजी विद्यालयों के मकड़ जाल में जकड़ा अभिभावक सरकार के इस नियम कानून एवं नीति के दायरे में शायद नहीं आते। तमाम विद्यालय में नए शैक्षिक छात्र शुरू होने के साथ ही प्रवेश शुल्क, भवन निर्माण शुल्क से लेकर कई खर्चे अभिभावकों पर थोपे गए हैं तो साथ ही प्रति माह ली जाने वाली फीस भी बढ़ाई गई है। सरकारी शिक्षा की बदहाल हालत के कारण निजी विद्यालयों का लूट का यह कारोबार निरंतर चल रहा है और इस क्षेत्र में कम से कम सरकार का कोई भी नियंत्रण नजर नहीं आ रहा है। अभिभावकों के लिए परेशानी यह है कि वह हर माह मिलने वाले वेतन ये कमाई से अपने घर के खर्चे पूरे करें या फिर स्कूलों और निजी कॉलेजों का पेट भरें! उत्तराखंड की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है और यहां शिक्षा मंत्रालय निजी विद्यालयों की मनमानी पर रोकथाम लगाने में ना तो पहले कामयाब हुआ और ना ही इस शिक्षा सत्र में ही ऐसी कोई पहल अब तक नजर आई है जो कि निजी विद्यालयों की मनमानी पर अंकुश लगा सके। हर वर्ष का यह अब क्रम बन चुका है कि शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ अभिभावकों की चिंताएं उनके माथे पर नजर आती है और आश्चर्य की बात तो यह है कि एक ही कक्षा में पढ़ाई जाने वाली पुस्तक अगले वर्ष इस कक्षा के लिए बेकार हो जाती है, जबकि एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम के अनुसार पुरानी पुस्तकों से काम चलाया जा सकता है लेकिन यही तो असली खेल है कि निजी विद्यालयों की कमाई का साधन बंद ना हो जाए लिहाजा इन विद्यालयों ने एनसीईआरटी की पुस्तकों को पाठ्यक्रम से ही बाहर कर दिया है। यह सारा गोरख धंधा निजी प्रकाशकों के साथ मिली भगत कर निजी विद्यालयों द्वारा संचालित किया जा रहा है जिस पर कार्रवाई करने की हिम्मत अब तक केंद्र या राज्य सरकार नहीं दिखा पाई है।

जयन्त

संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जाना तय

सनत जैन

अमेरिका का राजा ट्रंप नहीं- जनता...

दुनिया का सबसे ताकतवर देश, अमेरिका इस वक्त अपने देश और वैश्विक स्तर पर दोनों तरफ से भारी दबाव में नजर आ रहा है। एक तरफ पश्चिम एशिया में ईरान के साथ लड़ाई जारी है, दूसरी तरफ देश के अंदर ही ट्रंप के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों में बड़े पैमाने पर 3300 से ज्यादा स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों का नाम था- नो किंग्स देश में कोई राजा नहीं चलेगा। लोकतंत्र में राजा जनता है। अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है। सवाल उठता है, आखिरकार यह आंदोलन कितना बड़ा है? ट्रंप के खिलाफ विरोध की यह तीसरी बड़ी लहर है। इससे पहले भी लाखों लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। इस बार का आंकड़ा सबसे बड़ा है। अमेरिका के सभी राज्यों में इस आंदोलन की आग फैल गई है। 3300 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इस आंदोलन की खास बात यह है, यह शहरों के साथ-साथ गांवों में भी देखने को मिला है। लोगों ने खुलकर अपना विरोध जताया है। इस बार सबसे बड़ा विरोध मिनसोटा की राजधानी सेंट पॉल में हुआ। जहां मशहूर सिंगर ब्रूस प्रिंस्टीन ने भी आंदोलन में भाग लिया, और एक खास गाना गाया। जो हाल की एक दुखद घटना से जुड़ा हुआ था। उनके साथ कई बड़े सेलिब्रिटी जिसमें एक्टर्स, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी आंदोलन के मंच पर नजर आए। सवाल उठता है, अमेरिका और आस-पास के देश के लोगों में आखिर किस बात का गुस्सा भरा है? प्रदर्शन करने वालों के पास कम प्रशासन की शिकायतों की लंबी फेहरिस्त थी। सबसे ज्यादा नाराजगी ट्रंप सरकार की इमीग्रेशन नीति को लेकर है। लोगों का मानना है, सख्ती और छापेमारी से आम लोग डर और भय के साथ जी रहे हैं। इसके अलावा ईरान के साथ चल रहे संघर्ष का विरोध, ट्रांसजेंडर के अधिकारों में कटौती, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई जैसे मुद्दों पर लोगों ने खुलकर आवाज उठाई है। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और सैंडियागो जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बैनर और नारों के साथ सरकार के खिलाफ यहां पर भारी गुस्सा दिखा। ट्रंप के खिलाफ विरोध के असर की बात की जाए, तो यह विरोध अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। यूरोप के कई देशों में लोग इसी तरह के संदेश के साथ ट्रंप के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। कहीं तानाशाही के खिलाफ तो कहीं युद्ध के खिलाफ नारे लगे। यूरोप के देशों में अच्छीखासी भीड़ सड़कों पर देखने को मिली। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी हाल ही में बैठक से बहिष्कार कर ट्रंप की नीतियों का विरोध किया। ट्रंप समर्थकों का कहना है, इन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत नहीं है। उनका कहना है कि यह सब राजनीतिक एजेंडा है। ट्रंप के विरोध में जो तस्वीर जमीन पर दिख रही है, उसके अनुसार जिस तरह संसद और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों और विशिष्ट वर्ग में राष्ट्रपति ट्रंप का विरोध बढ़ रहा है। उनके ऊपर हाल ही में इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोप लगे हैं। संसद से अनुमति लिए बिना ट्रंप ने यह युद्ध छेड़ा है। जिसके कारण वह संसद में अलग-थलग पड़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कुछ ऐसे राज्यों में भी प्रदर्शन हुए हैं, जहां ट्रंप को भारी समर्थन मिला था। अमेरिका में माहौल इन दिनों काफी गर्म है। पिछले कुछ महीनो में महंगाई काफी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका एक तरफ बाहरी तनाव, दूसरी तरफ आंतरिक विरोध से जूझ रहा है। दोनों स्थितियों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दिन-प्रतिदिन कमजोर होते चले जा रहे हैं। आने वाले समय में यह आंदोलन किस दिशा में जाएगा, यह देखना अहम होगा। अमेरिका और इजरायल ने जिस तरह से ईरान पर आक्रमण किया है, इसका असर अब सारी दुनिया के देशों पर पड रहा है। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर मुद्रा और पेट्रोल डॉलर व्यापार को काफी नुकसान हुआ है जिसका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी पढ़ रहा है। ट्रंप के समय में कर्ज भी तेजी के साथ बढ़ा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम नागरिक बहुत परेशान हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की इमेज साइको के रूप में देखने को मिल रही है। जिसके कारण राजनीतिक क्षेत्र में कहा जा रहा है, कि डोनाल्ड ट्रंप शायद ही अपना कार्यकाल पूरा कर पाएं। जिस तरह से उन्होंने अमेरिका को मुसीबत में फंसाया है। डेमोक्रेटिक के साथ-साथ रिपब्लिकन सांसद भी उनके विरोध में खड़े हो रहे हैं। जिसके कारण ज्यादा दिनों तक राष्ट्रपति पद पर बने रहना उनके लिए आसान नहीं होगा।

होर्मुज संकट से बेहाल दुनिया को चीन की ऊर्जा नीति से सीख लेनी चाहिए

नीरज कुमार दुबे

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच एक सख्त सच्चाई उभर कर सामने आ रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया की सांसें रोक दी हैं, लेकिन इस उथल पुथल के बीच चीन एक अलग ही खेल खेलता नजर आ रहा है। जहां एशिया के कई देश ऊर्जा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं चीन आत्मविश्वास से भरा हुआ है और दावा कर रहा है कि उसके पास ऊर्जा का पर्याप्त रणनीतिक भंडार है।

दरअसल, यह आत्मविश्वास यूं ही नहीं आया। चीन ने पिछले कई वर्षों में एक ऐसी रणनीति तैयार की है जिसने उसे वैश्विक तेल आपूर्ति के झटकों से काफी हद तक सुरक्षित बना दिया है। जब दुनिया तेल के लिए समुद्री मार्गों पर निर्भर है, चीन ने अपनी निर्भरता को योजनाबद्ध तरीके से कम किया है।

सबसे बड़ा बदलाव चीन के इलेक्ट्रिक वाहन अभियान में दिखता है। जहां 2020 में लक्ष्य रखा गया था कि 2025 तक नए वाहनों में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी, वहीं यह आंकड़ा अपेक्षा से कहीं आगे निकल गया और आधे से ज्यादा नई गाड़ियां इलेक्ट्रिक हो गईं। इसका सीधा असर यह हुआ कि चीन की तेल खपत अब स्थिर होने लगी है।

आंकड़े बताते हैं कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण जितना तेल बचा है, वह लगभग उतना ही है जितना चीन सऊदी अरब से आयात करता था। यह बदलाव मामूली नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा भू राजनीति की दिशा बदलने वाला संकेत है।

चीन की दूसरी सबसे बडी ताकत उसका विविधीकृत आयात तंत्र है। जहां जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश एक या दो आपूर्तिकताओं पर निर्भर हैं, वहीं चीन ने अपने तेल स्त्रोतों को आठ से ज्यादा देशों में फैला रखा है। रूस, ईरान, वेनेजुएला जैसे देशों से सस्ता तेल लेकर उसने पश्चिमी प्रतिबंधों को भी अपने हित में बदल लिया है। रणनीतिक दृष्टि से यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है कि यदि किसी एक क्षेत्र में संकट आता है, तो चीन पूरी तरह ठप नहीं होगा।

तीसरा और सबसे खतरनाक दांव है चीन का विशाल तेल भंडार। अनुमान है कि उसके पास इतना तेल जमा है कि वह होर्मुज मार्ग बंद होने की स्थिति में करीब सात महीने तक अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। यह भंडारण केवल आर्थिक सुरक्षा नहीं बल्कि सामरिक हथियार भी है। देखा जाये तो ऊर्जा सुरक्षा के इस खेल में चीन ने केवल तेल पर ही भरोसा नहीं किया है। उसकी बिजली व्यवस्था लगभग आत्मनिर्भर हो चुकी है। कोयले और तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा के दम पर चीन ने अपने ग्रिड को बाहरी निर्भरता से लगभग मुक्त कर लिया है।

इसके साथ ही सौर और पवन ऊर्जा का विस्फोटक विस्तार इस बात का संकेत है कि चीन भविष्य की ऊर्जा लड़ाई के लिए पहले ही तैयार है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि उसे कम एलएनजी आयात करना पड रहा है और तटीय इलाकों की निर्भरता भी घट रही है। गैस के मामले में भी चीन ने चालाकी दिखाई है। पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए उसने रूस, मध्य एशिया और म्यांमार से सीधी आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है। इससे समुद्री मार्गों पर निर्भरता और कम हो गई है। सामरिक नजरिए से देखें तो यह पूरी रणनीति एक गहरी सोच का परिणाम है। चीन ने समझ लिया था कि भविष्य की जंग केवल हथियारों से नहीं बल्कि ऊर्जा पर नियंत्रण से जीती जाएगी।

आज जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा मंडरा रहा है, तब भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश चिंता में डूबे हुए हैं। लेकिन चीन इस संकट को अवसर में बदलने की स्थिति में है। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन की तेल मांग अब चरम पर पहुंचकर घटने की ओर बढ़ रही है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में उसकी आयात निर्भरता और कम होगी, जिससे वैश्विक बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत होगी।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम एक साफ संदेश देता है। जो देश समय रहते अपनी ऊर्जा रणनीति नहीं बदलेंगे, वे आने वाले संकटों में बुरी तरह फंस सकते हैं। चीन ने यह साबित कर दिया है कि दीर्घकालिक योजना, आक्रामक निवेश और रणनीतिक विविधीकरण के दम पर किसी भी वैश्विक संकट को मात दी जा सकती है। अब सवाल यह है कि क्या बाकी दुनिया इस सबक को समझेगी या फिर अगला संकट उन्हें पूरी तरह झकझोर देगा।

सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे प्रतिभा रांटा और रोहित सराफ?

अभिनेता रोहित सराफ इन दिनों अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक दोनों की आपस में अच्छी बनती है और वह अच्छे दोस्त हैं। दोनों को एक दूसरे का साथ पसंद आ रहा है। वे एक दूसरे के साथ अक्सर अच्छा वक्त बिताते हैं। उनके बीच अच्छा रिश्ता होने के बावजूद वह अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दे रहे हैं।
कई जगहों पर एक साथ स्पॉट होने की वजह से दोनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। दिलचस्प है कि न तो प्रतिभा रांटा और न ही रोहित सराफ ने अब तक अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है।

इस सीरीज का होंगे हिस्सा

इस बीच खबर आ रही है कि रोहित और प्रतिभा सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे। इसके निर्देशक निखिल आडवाणी हैं। इसकी कहानी एक किताब पर आधारित है। इन दोनों कलाकारों के अलावा इसमें भुवन बाम, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह होंगे। यह सीरीज इसी साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

प्रतिभा रांटा का वर्कफ्रंट

प्रतिभा रांटा बॉलीवुड फिल्म 'लापता लेडीज' (2024) में नजर आ चुकी हैं। वह 'एक्यूज्ड' (2026) का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

रोहित सराफ का वर्कफ्रंट

रोहित सराफ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025) और 'ठग लाइफ' (2025) का हिस्सा रहे हैं।

जिंदगी को भी 'गेम' जैसे खेलती हूं

'सेक्रेड गेम्स' की कुकू हो या 'द ट्रायल' की सना शेख, एक्ट्रेस कुब्रा सैत को जब भी दमदार किरदार मिले, उन्होंने उसे निचोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन स्ट्रॉन्ग, कॉम्प्लेक्स लड़कियों में उन्होंने बिंदासियत और संवेदनशीलता का मिला-जुला रंग भरकर यादगार बना दिया। अब अपनी नई सीरीज 'संकल्प' में भी वह डीएसपी परवीन शेख की सशक्त भूमिका में हैं।
कुब्रा का कहना है, 'मैं खुशनसीब हूं कि मुझे ये किरदार निभाने को मिले। उनमें जो कॉम्प्लेक्सिटी है, उसे निभाना सौभाग्य की बात है। मैं इनसे सीख पाती हूं कि सिर्फ ताकतवर होना ही मजबूती नहीं है। असुरक्षित, टूटा होकर खड़ा होना भी ताकत है। मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अच्छी बात ये है कि ऑडियंस इनसे रिलेट कर पा रही है, पसंद कर रही है तो हम कुछ तो सही कर रहे है। यही चीज मुझे प्रेरित करती है।'
कुब्रा की पहली ही फिल्म रेडी सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ थी। उनके साथ काम करते वक्त कोई डर या इंटीमिडेशन था, यह पूछने पर वह कहती हैं, 'नहीं यार, मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी तो मैं सबके साथ बैठकर बातें करती थी। मुझे सबके बारे में जानना था। मैं सलमान खान सर के साथ भी बैठती थी। उनसे पूछती थी कि ये कैसे हुआ, वो कैसे हुआ, तो वे भी बातें करते थे। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है।

टैलंट के बावजूद 15 साल लंबे करियर में कुब्रा मेन लीड में ना के बराबर ही दिखी हैं। क्या इस बात का कभी मलाल होता है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'नहीं यार, ये सब सोचूंगी तो जो काम हो रहा है वो भी बंद हो जाएगा। मुझे बहुत कुछ क्रिएट करना है। अपना बहुत कुछ करना है। मैं इन बातों में फंसी तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इससे बेहतर जो काम है या जो काम मैं करना चाहती हूं, उस पर फोकस करूं। बाकी तो बहुत कुछ हो सकता था, पर मैं आज यहां पर हूं और अपने काम में मुझे मजा आ रहा है, इससे बड़ी बात और क्या होगी। हां, कभी कभी लगता है। जैसे, कोविड के वक्त मुझे लगा था कि सब खत्म हो गया। अब कुछ नहीं होगा। मैं अपना सामान पैक करके वापस घर चली जाऊंगी, मगर नहीं गए, टिके रहे और यहां पर टिके रहने का ही गेम है।

'धुरंधर 2' से प्रभावित होकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार' सीरीज टाली, बनाएंगे सिंडिकेट

फिल्म निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा आदित्य धर की हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' से खासा प्रभावित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बार फिर से फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने अपने बचपन के सपनों के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। साथ ही बताया कि अब 'सरकार' नहीं बल्कि 'सिंडिकेट' पर काम करना चाहते हैं। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि 10 साल की उम्र में वह ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहते थे, क्योंकि एक्सीलरेटर तेज होने पर निकलने वाली 'वूम-वूम' की आवाज उन्हें बहुत आकर्षित करती थी। एक लंबा नोट लिखते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा, ' बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज है जिसके साथ हम सब बड़े हुए। मेरे जीवन के शुरुआती सालों में सपने लगातार बदलते रहे। उन्होंने लिखा, 'जब मैं करीब 10 साल का था, तो ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहता था। फिर 15 साल की उम्र में चचेरे भाई से प्रेरित होकर जंगल में रहना चाहा। कुछ साल बाद इंजीनियर बनने का सपना देखा, लेकिन फिर मन बदलकर डायरेक्टर बनने का फैसला किया।'
फिल्म मेकर ने अपनी पढ़ने की आदतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनिड ब्लाइटन की किताबें उन्हें बहुत पसंद थीं, लेकिन जब जेम्स हैडली चेस के बारे में पता चला तो वे उन्हें सबसे शानदार लेखक लगे। बाद में फ्रेडरिक फोर्सिथ ने उन्हें और भी ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा कि नए अनुभव हमें बदलते हैं और हमारे बेंचमार्क को ऊंचा उठाते हैं, ऐसा होना भी चाहिए।अपनी फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी बेंचमार्क फिल्में 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' (जिससे 'रंगीला' प्रेरित हुई), 'एक्सॉर्सिस्ट' (जिससे 'रात' और 'भूत') व 'गॉडफादर' (जिससे 'सत्या', 'कंपनी' और 'सरकार' सीरीज) रही हैं। उन्होंने मुख्य रूप से 'गॉडफादर' से प्रेरणा लेकर फिल्में बनाईं।
उन्होंने 'धुरंधर: द रिवेंज' की खूब तारीफ की। साथ ही कहा कि इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने 'सरकार' फ्रैंचाइजी की अगली कड़ी को टाल दिया है और अब 'सिंडिकेट' पर काम करने का फैसला किया है। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, 'जानिए सिंडिकेट क्यों, सरकार क्यों नहीं? सिंडिकेट की कहानी इस सोच पर आधारित है कि क्या होगा अगर भारत का पूरी कानून-व्यवस्था एक दिन में ही ढह जाए? यह हॉरर फिल्म जैसी होगी, लेकिन कोई सुपरनैचुरल तत्व नहीं, बल्कि इंसानी दिमागों में छिपी भयानक चीजों को दिखाएगी। यह एक ऐसे संगठन की कहानी है जो इतना शक्तिशाली और संगठित हो जाता है कि देश के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाता है।'
राम गोपाल ने आगे बताया कि 'धुरंधर 2' देखने के बाद उनकी पुरानी फिल्में उन्हें कुछ भी नहीं लगतीं। अगर पहले 'गॉडफादर' उनका पैमाना था, तो अब 'धुरंधर 2' को वह 'गॉडफादर का भी गॉडफादर' मानते हैं। फिल्म के हर पहलू कहानी कहने का अंदाज, किरदार, बैकग्राउंड म्यूजिक, एक्शन और अदाकारी ने उन्हें पूरी तरह प्रभावित किया।

अक्षय ने 'वक्त' फिल्म से सीखा जीवन का सबसे बड़ा सबक

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों रियलिटी क्विज शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की मेजबानी करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपने शो में सभी को समय की कीमत के बारे में अच्छे तरीके से समझाया। इस दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन की साथ में की फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' का जिक्र करते हुए कहा कि असल जिंदगी फिल्मों की तरह नहीं होती। दरअसल, इस फिल्म में ईश्वरचंद ठाकुर (अमिताभ बच्चन) एक जिम्मेदार पिता है जो अपने बिगड़े हुए बेटे आदित्य (अक्षय कुमार) को जीवन का सबक सिखाना चाहता है, लेकिन जब ईश्वरचंद को पता चलता है कि उसे कैंसर है, तो वह एक सख्त फैसला लेता है ताकि उसका बेटा जिम्मेदार बने। अक्षय ने बताया कि 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' उनकी खास फिल्मों में से एक थी और इसकी एक लाइन ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। अक्षय ने कहा, 'मैं आपको एक फिल्म बताता हूं, जो मेरी जिंदगी के लिए बहुत खास फिल्मों में से थी। उसका नाम था 'वक्त'। इस फिल्म में एक लाइन होती है, 'कोई बात नहीं बेटा है, सुधर जाएगा', लेकिन असलियत में ऐसा नहीं होता। हम अक्सर सोचते हैं कि कल सुधर जाएगा, बाद में कर लेंगे, लेकिन समय किसी का इंतजार नहीं करता।'
अक्षय ने आगे 'सूरज चमकते समय घास बनाने' की कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मौका मिलते ही काम कर लेना चाहिए, वरना बाद में पछतावा ही रह जाता है।
एक प्रतियोगी रोहित को संबोधित करते हुए अक्षय ने सीधे कहा, 'रोहित, मैं सच बता रहा हूं बेटा, वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।'
अक्षय ने कहा, 'मैं बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा नहीं था। इसलिए 14 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था, क्योंकि धीरे धीरे मुझे महसूस हुआ कि अपनी जिंदगी खुद संभालनी होगी।'
अक्षय ने अपने संदेश को एक मजबूत निष्कर्ष के साथ खत्म किया। उन्होंने कहा, 'मैं सबको यह कहना चाहता हूं कि कभी यह मत सोचिए कि सही वक्त आने पर कर लेंगे। अगर कुछ करना है तो आज ही शुरू कर दो। वरना वह काम कभी नहीं हो पाएगा। समय बहुत तेजी से गुजरता है और पीछे मुड़कर देखने पर सिर्फ अफसोस रह जाता है।'
साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित एक सफल भावनात्मक बॉलीवुड पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और शेफाली शाह ने अभिनय किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी।

'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाना चाहते हैं इमरान खान

अनिल कपूर स्टारर 'मिस्टर इंडिया' अपनी रिलीज के 29 साल बाद भी दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है। फिल्म को हर पीढ़ी के दर्शक काफी पसंद करते हैं। कई बार फिल्म का सीक्वल बनाने की भी चर्चाएं उठीं। अब अभिनेता इमरान खान ने 'मिस्टर इंडिया' का रीमेक बनाने की इच्छा जताई है।

'मिस्टर इंडिया' के फैन रहे हैं इमरान

हाल ही में रेडिट के एक आस्क मी एनिथिंग सेशन में इमरान खान ने फैंस के अलग-अलग सवालों के जवाब दिए। इसी दौरान एक प्रशंसक ने इमरान खान से पूछा, 'अगर आपको कभी दुनिया के किसी भी इंडस्ट्री के किसी भी पॉपुलर किरदार (सुपरहीरो सहित) को अपने नजरिए से फिर से लिखने का मौका मिले, तो आप किसे चुनेंगे?'
इसके जवाब इमरान ने कहा कि यह सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन कई साल से मेरा सपना रहा है कि मैं 'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाऊं। मैं इस फिल्म का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। क्योंकि यह एक फिक्शनल कॉमिक बुक फिल्म को यथार्थवादी और इमोशनल रूप से मजबूत बनाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह शानदार है। अनिल कपूर आज भी उतने ही अच्छे दिखते हैं जितने तब दिखते थे।

इमरान को पसंद है 'मिस्टर इंडिया' की मासूमियत

इसी दौरान इमरान से पूछा गया, ''मिस्टर इंडिया' एक महान किरदार हैं। उनकी यात्रा का आधुनिक रूप देखना बहुत रोमांचक होगा। इसलिए इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। लेकिन क्या आप उसे एक हीरो वाला कैरेक्टर ही रखेंगे या एक क्लासिक विलेन के रूप में बदलने का जोखिम उठाना चाहेंगे?' इस पर इमरान ने कहा कि मेरे लिए इस किरदार की खूबसूरती उसकी ईमानदारी और आदर्शवाद में ही है। एक्टर ने कहा कि मुझे सच में लगता है कि मूल फिल्म में अनिल कपूर का जो आकर्षण और मासूमियत थी, उसे रीमेक में आप बखूबी निभा सकते हैं। मुझे जरूर बताएं कि मैं इसके लिए कहां साइन अप कर सकता हूं।

1987 में रिलीज हुई थी 'मिस्टर इंडिया'

शेखर कपूर द्वारा निर्देशित 'मिस्टर इंडिया' साल 1987 में रिलीज हुई थी। यह एक लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म है। इसमें अनिल कपूर ने अरुण वर्मा का किरदार निभाया है, जो एक वायलिन वादक है और अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करता है।

11 साल बाद इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नजर आएंगे इमरान

इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में एक छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। उनकी लीड हीरो के रूप में अगली फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। इस फिल्म के जरिए इमरान लगभग 11 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह वेब सीरीज 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है।

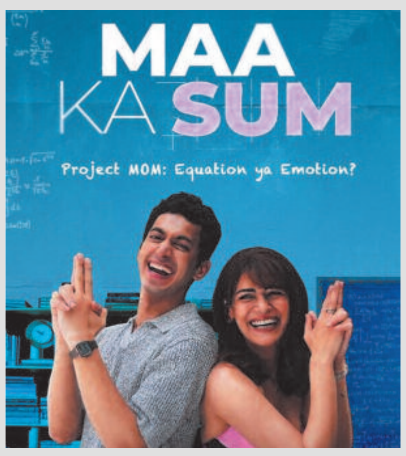

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1186, निफ्टी 348 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। वित्त वर्ष के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ जारी संघर्ष के शीघ्र समाप्त होने के संकेतों से भी बाजार उछला है।

इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में कमी से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1186.77 अंक ऊपर आकर 73,134.32 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 348 अंकों की बढ़त के साथ ही 22,679.40 के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले मार्च में दोनों प्रमुख इंडेक्स 11 फीसदी से ज्यादा गिरे थे। इससे निवेशकों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 13 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 425 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1814.88 अंकों की बढ़त के साथ 73,762.43 पर खुला जबकि निफ्टी 567 अंकों की तेजी के साथ 22,899 के स्तर पर पहुंचा। आज मिडकैप और

स्मॉलकैप शेयरों में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जहां निफ्टी मिडकैप 100 में 3.30 फीसदी और स्मॉलकैप 100 में 3.61 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री मार्च में 2٥5 प्रतिशत बढ़कर 69ए004 इकाई हुई

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ;एचएमआईएलद्ध की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 2٥5 प्रतिशत बढ़कर 69ए004 इकाई रही। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि मार्च 2026 की बिक्री में घरेलू बिक्री की 55ए064 इकाई और 13ए940 इकाई का निर्यात शामिल हैं। घरेलू बिक्री मार्च के किसी भी महीने की अब तक की सबसे अधिक रही और इसमें सालाना आधार पर 6٥3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें कहा गया कि जनवरी से मार्च 2026 की अवधि में कुल बिक्री 2ए08ए275 इकाई रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8٥7 प्रतिशत अधिक है। इसमें चौथी तिमाही ;जनवरी से मार्चद्ध में घरेलू बिक्री 1ए66ए578 इकाई रहीए जो सालाना आधार पर 8٥5 प्रतिशत अधिक है जो उसकी स्थापना के बाद से सर्वाधिक रही। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही में निर्यात 41ए697 इकाई रहा जो सालाना आधार पर 9٥4 प्रतिशत अधिक है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 1.41 रुपये की बढ़त के साथ ही 93.44 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे बढ़कर 94.70 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि जल्द इसने थोड़ी बढ़त खो दी डॉलर के मुकाबले 94.70 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को कारोबार के दौरान पहली बार 95 के स्तर के पार चला गया था। हालांकि अंत में थोड़ा संभलता हुआ 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। श्री महावीर जयंती के अवकाश के उपलक्ष्य में मंगलवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 99.63 पर रहा।

सरकार ने एसईजेड इकाइयों को घरेलू बाजार में रियायती शुल्क पर बिक्री की मंजूरी दी

- विशेष आर्थिक क्षेत्रों को मिले वित्तीय सहारे के नए उपाय

नई दिल्ली ।

सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) की विनिर्माण इकाइयों के लिए एकमुश्त विशेष राहत योजना की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एसईजेड इकाइयों की उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना और उनके वित्तीय दबाव को कम करना है। यह छूट केवल उन्हीं इकाइयों को मिलेगी जिन्होंने 31 मार्च 2025 या उससे पहले उत्पादन शुरू किया हो। लाभ के लिए यह भी आवश्यक है कि वस्तुएं एसईजेड में निर्मित हों और उनमें कम से कम 20 प्रतिशत मूल्य संवर्धन हुआ हो। इकाइयों को यह प्रमाणित करना होगा कि ये सभी शर्तें पूरी हुई हैं। विनिर्माण इकाइयां अब अपने उत्पाद घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) में रियायती दरों पर बेच सकती हैं। इसके तहत मूल सीमा शुल्क और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर में 6.5 फीसदी से 12.5 फीसदी तक की छूट मिलेगी, जो उत्पाद के अनुसार भिन्न है। यह योजना फिलहाल 2026-27 के लिए है, लेकिन परिस्थितियों के अनुसार इसे बढ़ाया जा सकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, कई एसईजेड इकाइयों के पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, और यह कदम उन्हें घरेलू बाजार में बिक्री बढ़ाने में मदद करेगा। इससे न केवल आयात में कमी आएगी, बल्कि एसईजेड की इकाइयों की वित्तीय स्थिति और उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग भी संभव होगा।

डॉलर लहर ने सैफ अली खान के साथ पेश किया साइ-फाई विज्ञापन अभियान

इंदौर।

प्रमुख इनरवियर ब्रांड डॉलर लहर ने गर्मी के सीजन के लिए अपना नया विज्ञापन अभियान लॉन्च किया है। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान अभिनीत यह अभियान हास्य, कल्पना और साइ-फाई (स्ष्द्ब-स्न्रद्ब) तत्वों का एक अनूठा मिश्रण है।हाईवे ढाबे की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में दोस्तों के एक समूह और एलियंस के बीच की मुलाकात को यान और बनियान के मजेदार शब्द-खेल (ङ्घश्रह्म्-श्चद्यड्ड4) के जरिए दिखाया गया है। ञ्जक्कड्ड/स्द्धठ्ठलड्डह्य द्वारा तैयार और उजेर खान द्वारा निर्देशित यह विज्ञापन ब्रांड को एक विश्वसनीय डेली एसेंशियल के रूप में स्थापित करता है।डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि सैफ अली खान की हाजिरजवाबी और लोकप्रियता ने ब्रांड को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

यह अभियान डिजिटल प्लेटफॉर्म समेत सभी प्रमुख मीडिया माध्यमों पर जारी कर दिया गया है।

मार्च में जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ पार, 8.8 फीसदी की बढ़ोतरी

– घरेलू बिक्री और आयात से कर संग्रह में बढ़ोतरी देखी गई

नई दिल्ली।

मोदी सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.8 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मार्च 2025 में यह संग्रह 1.83 लाख करोड़ रुपये था। वृद्धि का मुख्य कारण घरेलू बिक्री और आयात से राजस्व में बढ़ोतरी को बताया गया है। घरेलू राजस्व 5.9 प्रतिशत बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ। वहीं, आयात से प्राप्त राजस्व में 17.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 53,861 करोड़ रुपये रहा। मार्च में रिफंड राशि 13.8 प्रतिशत बढ़कर 22,074 करोड़ रुपये हो गई। रिफंड समायोजित करने पर शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत अधिक है। पूरा वित्त वर्ष 2025-26 में सकल जीएसटी संग्रह 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ, जबकि रिफंड समायोजित शुद्ध राजस्व 19.34 लाख करोड़ रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आर्थिक गतिविधियों में स्थिरता और नकदी प्रवाह में सुधार का संकेत है।

रेवेन्यू के अलग-अलग हिस्सों पर नजर डालें तो घरेलू लेनदेन से

मिलने वाला ग्रॉस रेवेन्यू 1.46 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 5.9 प्रतिशत की बढ़त हुई। वहीं, इंपोर्ट से मिलने वाला रेवेन्यू 0.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें 17.8 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दिखाई दी। इसका मतलब है कि देश में आयात गतिविधियां भी काफी मजबूत रही हैं। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के अनुसार ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। वहीं नेट जीएसटी रेवेन्यू 7.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19.34 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। राज्यों में महाराष्ट्र ने सबसे ज्यादा योगदान दिया, जहां से करीब 0.13 लाख करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन हुआ।

इसके बाद कर्नाटक और गुजरात का स्थान रहा।

भारतीय रेलवे तैयार कर रहा है कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन में बड़ा बदलाव

- नई नीति यात्रियों को समय पर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। आधिकारिक घोषणा की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इसे जल्द ही सार्वजनिक किया जा सकता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इस दिशा में संकेत दिए थे। नई नीति का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को समय पर अपने टिकट रद्द करने के लिए प्रेरित करना और आखिरी समय पर कैंसिलेशन से होने वाले नुकसान को कम करना है। प्रस्तावित नियमों के अनुसार रिफंड राशि यात्रा शुरू होने से पहले कितने घंटे में टिकट कैंसिल किया गया, इस पर निर्भर करेगी-

* 72 घंटे से पहले कैंसिलेशन- अधिकतम रिफंड मिलेगा, केवल न्यूनतम फ्लैट शुल्क कटेगा।
* 24 से 72 घंटे पहले- कुल किराए का 25 प्रतिशत काटा जाएगा।
* 8 से 24 घंटे पहले- केवल 50 प्रतिशत राशि वापस मिलेगी।
* 8 घंटे से कम समय में- कोई रिफंड नहीं मिलेगा।

नई व्यवस्था का सबसे अधिक असर उन यात्रियों पर पड़ेगा जिनकी यात्रा योजनाएं अक्सर बदलती रहती हैं। इसमें व्यवसायी यात्री, तत्काल टिकट लेने वाले और ऐसे परिवार शामिल हैं जिनकी प्लानिंग अचानक बदल जाती है। ऐसे यात्रियों को अब समय पर कैंसिलेशन का निर्णय लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा उन्हें अधिक शुल्क देना पड़ेगा। रेलवे का लक्ष्य है कि यात्रियों को समय पर निर्णय लेने की आदत विकसित हो और आखिरी समय पर टिकट कैंसिल करने पर अधिक वित्तीय नुकसान को रोका जा सके। इससे रेलवे का रिफंड प्रबंधन भी सरल होगा और टिकट की बुकिंग सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुनिश्चित बनेगी।

सरकार ने आरओडीटीईपी योजना का लाभ 30 सितंबर तक बढ़ाया

– पहले यह योजना 31 मार्च 2026 तक मान्य थी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के कारण वैश्विक व्यापार में व्यवधान को देखते हुए सरकार ने निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं कर की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत निर्यातकों को मिलने वाला वित्तीय लाभ छह महीने के लिए बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 कर दिया है। आरओडीटीईपी योजना 2021 में शुरू हुई थी और इसके तहत निर्यातकों पर लगाए गए कर, शुल्क और उपकरों की वापसी 0.3 फीसदी से 3.9 फीसदी तक होती है।

पहले यह योजना 31 मार्च 2026 तक मान्य थी। डीजीएफटी ने कहा कि एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किए गए पात्र निर्यात पर वही दरें लागू रहेंगी। पश्चिम एशिया संकट के कारण समुद्री और हवाई मालभाड़ा बढ़ा है, जबकि बीमा प्रीमियम भी महंगा हो गया है। फरवरी में भारतीय निर्यात 36.61 अरब डॉलर पर घट गया। सरकार ने 487 करोड़ रुपए की 'रिलीफ' योजना भी शुरू की। इसके अलावा तूर, उड़द और पीली मटर का आयात बिना प्रतिबंध के बढ़ाया गया है। वर्जिन मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड का न्यूनतम आयात मूल्य एक महीने के लिए 67,220 रुपए प्रति टन किया गया।

इन कदमों का उद्देश्य बढ़े खर्च और जोखिम से जूझ रहे निर्यातकों को समय पर समर्थन देना है।

महाराष्ट्र में प्याज हुआ सस्ता, उत्पादक संघ ने की एमआईएस लागू करने की मांग

– किसानों के वित्तीय संकट को देखते हुए सरकार से तुरंत कदम उठाने की अपील

मुंबई ।

महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को तुरंत लागू करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्याज की कीमतों में तेज गिरावट ने किसानों को गंभीर वित्तीय संकट में डाल दिया है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के एक पदो धिकारी ने कहा कि कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी स्पष्ट रूप से संकटग्रस्त बिक्री की स्थिति को दर्शाती है और एमआईएस लागू करने के मानदंड पूरे करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार को ज्ञापन भेजकर बताया कि पूरे राज्य में प्याज उत्पादक मंडियों में कीमतों में गिरावट से भारी नुकसान झेल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एमआईएस लागू होने पर सरकार खरीदार के रूप में प्रवेश करके कीमतों को स्थिर, घबराहट में बिक्री रोकने

और व्यापारियों द्वारा दरें दबाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में मदद कर सकती है।

किसानों को फिलहाल प्याज के लिए *300-800 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे हैं, जबकि उत्पादन लागत 1,500-1,800 रुपये प्रति क्विंटल है।

इस स्थिति में किसान मजबूरी में कम दाम पर बिक्री कर रहे हैं और कई मामलों में सड़क पर प्याज फेंकने को मजबूर हैं। उन्होंने मांग की कि तालुका स्तर पर सरकारी खरीद केंद्र स्थापित किए जाएं, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाए और मूल्य कमी भुगतान योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा

36 गुरुजनों को मिला लॉट सुबेदार बलभद्र सिंह नेगी शिक्षक सम्मान

आईएचएमएस कॉलेज में पद्मभूषण व पद्मश्री डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने शिक्षकों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से गढ़वाल राइफल्स के संस्थापक लॉट सुबेदार बलभद्र सिंह नेगी की स्मृति में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 36 शिक्षकों को लॉट सुबेदार बलभद्र सिंह नेगी शिक्षक सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।

बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित आईएचएमएस कॉलेज के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह का बतौर मुख्य अतिथि पर्यावरणविद् पद्मभूषण व पद्मश्री डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, संस्थान के एमडी बीएस नेगी, ईडी अजय राज नेगी और डायरेक्टर एडमिन ले. कर्नल बीएस गुसाईं ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। इसके बाद संस्थान के एमडी बीएस नेगी ने डॉ. अनिल प्रकाश जोशी को सम्मानित किया। अपने संबोधन में डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि वर्तमान में छात्रों और शिक्षकों का रुख बदल चुका है। आज गुरु का स्थान गूगल ने ले लिया है। नई पीढ़ी शिक्षकों के लिए चुनौती बनी हुई है। इस पीढ़ी को प्रकृति की समझ नहीं है, तभी प्रकृति बिगड़ी हुई है और जब प्रकृति बिगड़ती है तो वह विकराल रुप लेती है। जिसका खामियाजा समाज को भुगतना पड़ता है। ऐसे में नई पीढ़ी का क या रुख होगा, यह शिक्षकों की भूमिका तय करेगी। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों का उचित मार्गदर्शन करते हुए उन्हें प्रकृति से जोड़ने की अपील की। इस अवसर पर डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए आठ प्रधानाचार्यों और विभिन्न सरकारी-गैर सरकारी विद्यालयों में बेहतर शिक्षा दे रहे 36 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन कॉलेज के जन संपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल और काउंसलर सोनिया कुमारी बिष्ट ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा, एडमिशन इंचार्ज विजय पंत, काउंसलर श्रुति नेगी सहित कॉलेज के सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक और कर्मचारी मौजूद रहे।

कोटद्वार के आईएचएमएस संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पद्म भूषण डा.अनिल जोशी को स्मृति चिह्न देते संस्थान के एडी व निदेशक

इन्हें मिला सम्मान

प्रधानाचार्य नितिन भाटिया, प्रधानाचार्य चंदन सिंह नकोटी, प्रधानाचार्य पुष्पा धस्माना, प्रधानाचार्य सुषमा दास, प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र कुकरेती, उप प्रधानाचार्य अनिल बिंजोला, उप प्रधानाचार्य वीना रावत, उप प्रधानाचार्य रेखा देवी, प्रवक्ता अमित सिंह, राहुल भाटिया, संगीता देवरानी, आभा बडोला, नंदनी पांडेय, दीपक सिंह बिष्ट, मकबूल अहमद, पूनम पुंडीर, कल्पना खंतवाल, आलोक रावत, सुधीर चंद्र पांडेय, मुकेश भंडारी, हिमांशु द्विवेदी, शंकर बहादुर, विवेक सनवाल, ब्रिजेश उपाध्याय, गिरीश राणा, नीरज कुमार कमल, मधु जोशी, राकेश मोहन ध्यानी, उषा चौधरी, नीरज खत्री, कांती धस्‍ माना, भूपेंद्र सिंह, लवली धीमान, अमन कुमार अग्रवाल, गौतम जैन, राम सिंह चौहान और प्रदीप भट्ट को सम् मनित किया गया।

एक नजर

हरिनगर लेटाल गांव आज भी सड़क सुविधा से वंचित

चमोली : विकासखंड के अनुसूचित बहुल गांव हरिनगर लेटाल गांव आज तक सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाया है। स्थिति यह है कि बीमार, गर्भवती को अस्पताल पहुंचाने के लिए डंडी-कंडी का सहारा रहता है। हरिनगर लेटाल में 80 से अधिक परिवार रहते हैं। यहां की जनसंख्या 500 से अधिक है लेकिन दशकों बाद भी इस गांव तक न तो लोक निर्माण विभाग और न पीएमजीएसवाई ने सड़क बनाने की पहल की। ग्रामीण सड़क की मांग को लेकर कई वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं। कई बार तहसील और ब्लॉक के साथ ही लोनिवि कार्यालय में भी प्रदर्शन कर चुके हैं। ग्राम प्रधान चमेली देवी का कहना है कि सड़क नहीं होने से बरसात में बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं के बीमार होने पर डंडी-कंडी के सहारे तीन किमी पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाना पड़ता है। हेम चंद्र, मुन्नाराम, आलम राम, हेमा देवी आदि का कहना है कि यदि इस बार सड़क नहीं बनी तो वे विस चुनावों में प्रतिभाग नहीं करेंगे। वहीं इस संबंध में पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता धीरेंद्र भंडारी का कहना है कि हरिनगर लेटाल के लिए मार्ग का सर्वे किया गया लेकिन बांज-बुरांश के अधिक पेड़ आने से अब एलाइनमेंट बदलना पड़ेगा। जल्द दूसरा सर्वे किया जाएगा। (एजेंसी)

भर्ती प्रकिया शुरू करने की उठाई मांग

रुद्रप्रयाग : शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगारों ने भर्ती प्रक्रिया शुरू करने समेत चार सूत्री मांगों को लेकर कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006 के बाद से राज्य में शारीरिक शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई है। नई शिक्षा नीति के तहत प्राथमिक से इंटरमीडिएट स्तर तक शारीरिक शिक्षा अनिवार्य कर दी गई है मगर विभाग ने अभी तक पद सृजित नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि करीब 12 हजार से अधिक बीपीएड और एमपीएड प्रशिक्षित युवा रोजगार से वंचित हैं और कई अभ्यर्थी आयु सीमा भी पार कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि कैबिनेट मंत्री ने समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। उन्होंने इस विषय को मुख्यमंत्री के सम्मुख रखने की बात कही।

सूखा पेड़ बना हादसे का खतरा

रुद्रप्रयाग : चंद्रापुरी पुराने बाजार में खड़ा सूखा पेड़ दुर्घटना का कारण बना हुआ है। व्यापारियों ने 30 जनवरी को सरकार जन-जन के द्वार शिविर में इस समस्या को उठाया था लेकिन अब तक सूख पेड़ को यहां से नहीं हटाया गया है। राजवीर सिंह ने बताया कि सूखे पेड़ की टहनियां तेज हवा चलने से दुकानों पर गिर रही हैं। ग्राम प्रधान अंजू नौटियाल बताया कि पोस्ट ऑफिस, दुकानें और आवासीय भवन इसकी जद में हैं। (एजेंसी)

टिपरी—मदननेगी रोपवे बंद होने से बढ़ी लोगों की परेशानी

नई टिहरी। टिपरी—मदननेगी रोपवे सेवा बंद होने से धारमंडल क्षेत्र के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। क्षेत्र के दर्जनों गांव के लोगों को 25 किमी का अतिरिक्त मंहगा सफर करना पड़ रहा है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने डीएम को ज्ञापन भेजकर रोपवे सेवा जल्द बहाल करने की मांग की है। टिहरी बांध बनने के बाद धारमंडल क्षेत्र के दर्जनों गांवों के आवागमन के लिए टिपरी—मदननेगी रोपवे सेवा शुरू की गई थी लेकिन रोपवे का संचालन कर रही कंपनी का अवशेष भुगतान नहीं होने और अनुबंध आगे नहीं बढ़ाने पर कंपनी ने एक अप्रैल से सेवा बंद कर दी है। जिससे क्षेत्र के लोगों के सामने आवागमन की समस्या खड़ी हो गई है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला ने डीएम को भेजे ज्ञापन में बताया कि टिपरी—मदननेगी रोपवे धारमंडल क्षेत्र के दर्जनों गांव के लोगों के आवागमन का मुख्य साधन है। रोपवे से हर दिन बड़ी संख्या में छात्र—छात्राएं, बुजुर्ग, बीमार और अन्य लोग आवागमन करते हैं।

परीक्षाओं में अव्वल रहने वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एकेश्वर ब्लॉक के अंतर्गत पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गृह परीक्षा का परीक्षाफल घोषित किया गया। इस दौरान विद्यालय के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा में विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा है।

कहा कि छठवीं कक्षा में आरिश्का ने प्रथम, अनुष्का ने द्वितीय और परिधी नौटियाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सातवीं कक्षा में पुनीता पंत, निशा, अमृता, आठवीं कक्षा में जीविका, पीयूष कुमार, स्वाती, नवीं कक्षा में शिव सिंह रमोला, आकांक्षा व कनिष्का कैंथोला ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्यारहवीं कक्षा के कला वर्ग में अस्मिता नेगी, श्वेता व अमन सिंह, विज्ञान वर्ग में सिमरन, स्वाति, आकाश रावत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रमोद कुमार रमोला, रामेंद्र भण्डारी, प्रकाश कैंथोला, संजय कुमार, प्रमोद रावत, नीरज कुमार, विजेता गडोई आदि मौजूद रहे।

रुद्रप्रयाग से चोपता तक सीधी बस सेवा शुरू

रुद्रप्रयाग : लंबे समय से प्रतिक्षित रुद्रप्रयाग से चोपता तक सीधी बस सेवा बुधवार से शुरू हो गई है। जीएमओयू की इस बस सेवा को स्टेशन अधीक्षक उदयकांत सेमवाल व महावीर सिंह रावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बस सेवा शुरू होने से तुंगनाथ जाने वाले यात्रियों व आसपास के गांव के लोगों को यातायात की सुविधा मिलेगी। बस प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे रुद्रप्रयाग से चलेगी और दोपहर 12:30 बजे चोपता पहुंचेगी। अगले दिन सुबह 9 बजे चोपता से बस ऋषिकेश-हरिद्वार के लिए रवाना होगी। जनपद के चोपता-तुंगनाथ क्षेत्र में वर्षभर पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। य

आक्रोशित ग्रामीणों ने पांच घंटे तक रोके डंपर

चमोली : रेलवे लाइन निर्माण कार्य से उड़ती धूल और प्रेशर हॉर्न के शोर से गुस्साए कालेश्वर के ग्रामीणों ने आक्रोश जताया। उन्होंने मलबे के निस्तारण में लगे डंपरों को साढ़े पांच घंटे तक रोके रखा और कार्यदायी कंपनियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कंपनी के प्रोजेक्टर मैनेजर मौके पर पहुंचे और मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए और डंपरों का संचालन दोबारा शुरू हो सका। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे निर्माण कार्य के मलबे को डंपर के जरिये लंगासू के पास डंप किया जा रहा है। वहीं डंपरों के संचालन से कालेश्वर की सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है। साथ ही इनसे उड़ने वाले धूल से लोगों को सांस संबंधी दिक्कतें भी हो रही हैं। ऐसे में बुधवार को एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनोज रावत के नेतृत्व में कालेश्वर के ग्रामीणों ने सुबह 9 बजे रेलवे कंपनी के कार्यों में लगे सभी डंपरों को रेलवे पुल के पास रोक दिया। मनोज रावत और ग्राम प्रधान पूजा देवी ने कहा कि डंपर चालक रात में तेज रफ्तार के साथ प्रेशर हार्न के साथ तेज रफ्तार में दौड़ रहे हैं। रेलवे निर्माण में लगी कंपनी की ओर से नाली निर्माण भी अधूरा छोड़ा गया है। आंदोलन को देखते हुए दोपहर करीब 2 बजे राही और मैक्स कंपनी के प्रोजेक्टर मैनेजर मौके पर पहुंचे।

अति आवश्यक सेवा से जुड़े इंजीनियर हड़ताल में हुए शामिल

चमोली : वेतन विसंगति, पुरानी पेंशन बहाली सहित 27 सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनरत डिप्लोमा इंजीनियर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल 10वें दिन भी जारी रही। बुधवार को अति आवश्यक सेवा में शामिल जल संस्थान, जल निगम और ऊर्जा निगम के डिप्लोमा इंजीनियर भी हड़ताल में शामिल हो गए हैं। आंदोलनकारी इंजीनियर्स ने मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है। बुधवार को गोपेश्वर में लोनिवि निरीक्षण भवन के परिसर में चल रहे इंजीनियर्स के धरना-प्रदर्शन में बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला व कांग्रेस पदाधिकारी भी शामिल हुए। उन्होंने उनकी मांगों को शासन स्तर पर उठाने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि डिप्लोमा इंजीनियर्स की न्यायोचित मांगों पर सरकार को अतिशीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए। इस संबंध में शासन से वार्ता की जाएगी। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के जनपदीय सचिव अंकित बिष्ट ने कहा कि कनिष्ठ अभियंता का 4600 ग्रेड पे वर्ष 2006 से लागू किया जाए। इस मौके पर महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष ऊऋषा रावत, मुकुल बिष्ट, गोविंद सजवाण, क्षेत्र पंचायत सदस्य व एनएसयूआई के पूर्व जिलाध्यक्ष मनमोहन चतुरा, रविंद्र बर्त्वाल, योगेंद्र बिष्ट, अरविंद नेगी, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की अध्यक्ष शालिनी रावत, प्रमोद बिष्ट, जितेंद्र मेहरा, मेघा जग्गी, प्रेमा बिष्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

बांध प्रभावितों ने जन अधिकार संघर्ष मोर्चे का किया विस्तार

नई टिहरी। बांध विस्थापित और प्रभावितों का निशुल्क बिजली—पानी के 33वें दिन धरना जारी रहा है। जन अधिकार संघर्ष मोर्चे के विस्तार बाद धरने पर बैठे लोगों ने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है। जन अधिकार संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष सागर भंडारी ने कहा कि बुधवार को मोर्चे का विस्तार किया गया है जिसमें मानवेंद्र रावत, अजय पंवार, दिनेश भट्ट आयुष राज पंवार, सुरेंद्र खत्री को उपाध्यक्ष, विनोद लाल शाह को सचिव, प्रताप नेगी कोषाध्यक्ष, शंभू भंडारी को प्रवक्ता, उम्मेद सिंह रावत को संरक्षक, देवांक चमोली को युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष, दिव्यांशु रावत को महासचिव, रुकमा परमार को महिला प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, अशरफी सेमवाल, भगवान देई तोपवाल, रेखा नेगी, बबली रावत, विनीता भंडारी, सरोजनी देवी, प्रमिला रावत को महिला उपाध्यक्ष, रामेश्वरी देवी, गैणा देवी, शशी बहुगुणा, प्रभा देवी, सीता रमोला को महिला संरक्षक बनाया गया है। इस मौके पर मनोज शाह, नजाकत अली, रविन्द्र चंद आदि मौजूद थे।

आर्मी पब्लिक स्कूल में नाट्य एवं रंगमंच कार्यशाला आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली की ओर से आर्मी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए एक आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक नाट्य कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुई, जिसने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, संप्रेषण कौशल तथा समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला का संचालन राइकेन नगोमले, चीफ (थिएटर-इन-एजुकेशन) एवं सहायक प्राध्यापक, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के नेतृत्व में किया गया। उनके साथ डॉ. प्रभात भास्करण, विजिटिंग विशेषज्ञ, तथा अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे। रचनात्मकता के विकास तथा प्रदर्शन कलाओं के प्रति विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में अभिनय, अभिव्यक्ति एवं मंच प्रस्तुति से संबंधित विभिन्न गतिविधियां कराई गईं। विद्यार्थियों को नाटक एवं रंगमंच की मूलभूत अवधारणाओं से व्यावहारिक, हाथों-हाथ अनुभव के माध्यम से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों को तीन समूहों में विभाजित किया गया तथा प्रत्येक समूह के लिए परिसर के विभिन्न स्थानों पर संरचित नाट्य कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन सत्रों के माध्यम से उन्हें आधुनिक तकनीकों एवं प्रदर्शन कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उनकी सक्रिय भागीदारी और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन मिला। इस मौके पर प्रधानाचार्य विजेन्द्र दत्त सुन्द्रियाल ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की पूरी टीम का इस प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियों के कुशल संचालन के लिए आभार व्यक्त किया। कहा कि विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों के आयोजन हेतु सदैव तत्पर रहेगा।

लक्ष्य निर्धारित करके जीवन में आगे बढ़े विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : बाल विकास परियोजना पोखड़ा द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत इण्टर कॉलेज लियाखाल में अफसर बिटिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के कक्षा 6 से 8 वर्ग में भावना, सोनाक्षी, कक्षा 9 से 10 वर्ग में अर्पिता रावत, कामना, कक्षा 11 से 12 वर्ग में आस्तिका रावत, सरिता ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरण किए गए।

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी हेमन्ती रावत ने छात्राओं को कैरियर के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी उन्होंने कहा कि छात्र लक्ष्य निर्धारित करके जीवन में आगे बढ़ें तभी वे जीवन में प्रगति कर सकेंगे तथा राष्ट्र विकास में अपना योगदान देने में सक्षम हो सकेंगे। सुपरवाइजर सुशीला रावत ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक रावत ने बेटियों को शिक्षा से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षित करना एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित समाज की नींव है। शिक्षा उन्हें न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाती है, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की क्षमता भी प्रदान करती है। एक शिक्षित बेटी न केवल अपना भविष्य बदलती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी शिक्षित और स्वस्थ बनाती है। इस मौके पर दीपक बिष्ट, सुनीता बिष्ट, विपिन रावत आदि मौजूद थे।

तांबाखानी में गंगोत्री हाईवे से जल्द हटाएं कूड़ा

उत्तरकाशी। बीआरओ की ओर से नगर पालिका बाड़ाहाट को तांबाखानी में गंगोत्री हाईवे से कूड़ा हटा कर उसे खाली करने के लिए पत्र दिया गया है। बीआरओ के अनुसार तांबाखानी सुरंग उनके हैंडओवर होने के बाद उसके मरम्मतीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय को भेजा गया है। वहां पर कार्य शुरू करने पर वाहनों की आवाजाही गंगोत्री हाईवे से करवाई जाएगी। वर्ष 2013 में तांबाखानी के समीप हो रहे भूस्खलन के कारण आवाजाही को सुरक्षित करने के लिए 370 मीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया गया था। उसके बाद इसी सुरंग के भीतर से ही वाहनों की आवाजाही शुरू हुई। इसके बाद करीब 12 वर्ष पूर्व पालिका को कूड़ा संग्रहण केंद्र न मिलने के कारण गंगोत्री हाईवे के करीब 300 मीटर हिस्से पर ही कूड़ा एकत्रित किया जा रहा है। वहीं, अब शासन की ओर से तांबाखानी सुरंग को बीआरओ को हैंडओवर कर दिया गया है। सुरंग के अंदर लगातार हो रहे पानी के रिसाव की सुरक्षा और सौंदर्यीकरण के लिए बीआरओ की ओर अपने मुख्यालय को प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजा गया है। ब

नहर न बनने से सरोट और डोभन गांव के खेत हो गए बंजर

नई टिहरी, थौलधार ब्लॉक के सरोट और डोभन गांव की करीब दो किलोमीटर लंबी सिंचाई नहर चंबा—गंगोत्री हाईवे के चौड़ीकरण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई थी। नहर के नवनिर्माण और मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों की खेती बंजर पड़ गए हैं।

वर्ष 2010 चंबा—गंगोत्री हाईवे का चौड़ीकरण कार्य होने के दौरान सरोट और डोभन गांव की सिंचाई नहर क्षतिग्रस्त होने ग्रामीणों के सामने सिंचाई का संकट उत्पन्न होने लग गया था। क्षेत्र पंचायत सदस्य ममता देवी, ग्राम प्रधान सरोट कविता देवी, प्रधान डोभन गीता देवी, पूर्व ग्राम प्रधान शूरवीर सिंह राणा, बलदेव कुमाई, केदार सिंह पडियार, सुरेश नौटियाल, विनोद थपलियाल ने बताया कि वर्ष 2010 से पूर्व नहर से दोनों के गांव की करीब 300 नाली खेतों की सिंचाई होती थी लेकिन हाईवे के चौड़ीकरण से नहर जगह—जगह क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों ने कई बार स्वयं नहर की मरम्मत कर खेतों तक पानी पहुंचाने का कार्य किया लेकिन धीरे—धीरे नहर की स्थिति और खराब होती गई। सिंचाई विभाग से नहर की मरम्मत और निर्माण गुहार लगाई लेकिन बजट न मिलने के कारण सिंचाई विभाग ने नहर की मरम्मत नहीं करवा पाया। नहर पर पानी न चलने से धीरे—धीरे ग्रामीणों ने खेती करना छोड़ दिया। उन्होंने बताया दोनों गांव के करीब 250 से अधिक परिवार खेतों में नकदी फसल और सीजन की फसल को उगा कर अपनी आजीविका चलते थे।

आगराखाल में व्यवसायिक गैस सिलिंडरों की किल्लत

नई टिहरी। आगराखाल व्यापार मंडल ने व्यवसायिक गैस सिलिंडरों की नियमित आपूर्ति कराने की मांग की है। उन्होंने एसडीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि व्यवसायिक गैस सिलिंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं होने के कारण व्यवसायियों के सामने होटल बंद करने की नौबत आ गई है। आगराखाल में व्यवसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित होने से होटल व्यवसायी खासे परेशान हैं। व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ. डीएन रतूड़ी ने एसडीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि आगराखाल में 90 प्रतिशत व्यापारी होटल व्यवसायी हैं। जिससे वहां एलपीजी की काफी खपत है। लेकिन कई दिनों से व्यवसायिक गैस सिलिंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिससे वहां होटल व्यवसाय पर खासा विपरीत असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गैस की नियमित आपूर्ति जल्द बहाल नहीं की गई तो व्यवसायियों के सामने अपने होटल बंद करने की नौबत आने लगी है। व्यापार मंडल अध्यक्ष ने कहा कि जंगल से लकड़ी लाने पर वन विभाग चालान की धमकी दे रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया बायोमीट्रिक हाजिरी का विरोध

उत्तरकाशी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेविका, मिनी कर्मचारी संगठन के कार्यकर्ताओं ने बायोमीट्रिक हाजरी के विरोध में राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर एक दिवसीय धरना दिया। साथ ही मांगों का निस्तारण नहीं होने पर दो अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी। बुधवार को बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेविका, मिनी कर्मचारी संगठन के कर्मचारी नौगांव स्थित बाल विकास परियोजना अधिकारी के कार्यालय पहुंचीं। वहां उन्होंने एक दिवसीय धरना देकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही बाल विकास परियोजना अधिकारी के माध्यम से सीएम को ज्ञापन प्रेषित किया। इस दौरान उन्होंने बायोमीट्रिक मशीन विरोध किया।

सभी विभाग समन्वय बनाकर काम करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल एवं थराली विधायक भूपाल राम टम्टा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री घोषणा की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी विभागों को जनहित में समन्वय बनाकर काम करने और सभी विभागों को गतिमान कार्यों में तेजी लाने व शासन स्तर पर लंबित प्रकरणों पर भी नियमित फॉलोअप करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह मुख्यमंत्री की घोषणाओं की समीक्षा अपने स्तर से करें। वहीं सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील स्तर पर भूमि स्थानांतरण एवं अन्य भूमि सम्बन्धी प्रकरणों को समय से पूर्ण करायें। डीएम ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं एवं जो भी कार्य पूर्ण हो चुके हैं उन्हें पोर्टल पर अपडेट करवा लें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नन्दानगर में अल्ट्रासाउंड मशीन एवं एक्सरे मशीन लगवाने एवं टेक्नीशियन एवं रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती में आ रही दिक्कत को गंभीरता पूर्वक रिजॉल्ब करनें और कृषि विभाग को जंगली जानवरों से फसल को बचाने हेतु स्थाई समाधान हेतु कार्य योजना तैयार करने, आपदा प्रबंधन विभाग को आपदा से प्रभावित परिवारों के विस्थापन की प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा। साथ ही जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को समय से पूर्ण करने को कहा। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी सर्वेश दुबे, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह एवं अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आईपीएल में आज केकेआर और सनराइजर्स जीत के इरादे से उतरेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। यहां के ईडन गार्डन में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले में हारी हैं, ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। पिछले आईपीएल सत्र में इन दोनों ही टीमों के बीच कुल दो मुकाबले खेले गए हैं जिसमें से एक केकेआर और एक सनराइजर्स हैदराबाद ने जीता था। इनके बीच अंतिम बार मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुआ था जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने केकेआर को आसान से हराया था। केकेआर को इस बार कोलकाता में अपने घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है। इस मैदान पर खेले गए आखिरी पांच टी20 मैचों में से तीन मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीता है। ऐसे में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैच पर औसत स्कोर 165 के करीब रहा है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 20 जबकि सनराइजर्स ने 10 जीते हैं।

केकेआर की टीम को कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। केकेआर अपने गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले रहाणे एक बार फिर अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे।

वहीं सनराइजर्स की ओर से ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन और अभिषेक शर्मा पर पारी का दारोमदार रहेगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच भी रोमांचक होना तय है।

नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से सनराइजर्स की कमान ईशान के पास ही रहेगी। ईशान ने पहले ही मैच में 80 रनों की शानदार पारी खेली थी जिसे वह दोहराना चाहेंगे।

टीम इस प्रकार है

कोलकाता नाइट राइडर्स

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरून ग्रीन, फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, और ब्लेसिंग मुजरबानी।

सनराइजर्स हैदराबाद

ईशान किशन (कप्तान/विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, और डेविड पायने।

आकाश चोपड़ा ने पंजाब किंग्स से हार के बताई गुजरात टाइटन्स की सबसे बड़ी कमजोरी

Credit : X @gujarat_titans

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि गुजरात टाइटन्स कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर है जिसके कारण टीम परेशानी में पड़ सकती है।

पिछले कुछ सत्र में गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहा है और यह सिलसिला मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के इस सत्र के उसके पहले मैच में भी जारी रहा। इस मैच में गुजरात के मध्य क्रम की कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई।

चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'गुजरात टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वे खुद को कोई दूसरा उपाय खोजने का मौका नहीं दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'कई लोग शायद इस बात पर यकीन न करें लेकिन ग्लेन फिलिप्स के 25 रन वास्तव में आईपीएल में उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। उनसे और अधिक निरंतरता की उम्मीद की जाती है। वाशिंगटन सुंदर को भी तेजी से रन बनाने की जरूरत है।'

चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'उन्होंने शाहरुख खान को टीम में बनाए रखा है, लेकिन मुझे लगता है कि कुमार कुशाग्र भी चयन के हकदार थे। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों पर फिर से विचार करने की जरूरत है।'

चोपड़ा ने गिल की कप्तानी की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'उनकी रणनीति समझ से परे है। जब मैच लगभग खत्म हो चुका था तब भी मोहम्मद सिराज के दो ओवर बचे थे और प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया। कुल मिलाकर शुभमन गिल की कप्तानी में कुछ कमियां नजर आईं।'

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में रेसलिंग का शानदार समापन

–पुरुषों में हिमाचल प्रदेश और महिला वर्ग में असम बना ओवरऑल चैंपियन, सरगुजा में दिखा खिलाड़ियों का दम

सरगुजा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित गांधी स्टेडियम में आयोजित 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' की कुश्ती स्पर्धा का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। चार दिनों तक चली इस कड़ी प्रतिस्पर्धा में देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक और रणनीति का लोहा मनवाया। परिणामों के अनुसार, पुरुष वर्ग में हिमाचल प्रदेश ने अपनी बादशाहत कायम करते हुए ओवरऑल चैंपियन की ट्रॉफी जीती, जबकि जम्मू-कश्मीर फर्स्ट रनरअप रहा। वहीं, महिला वर्ग में असम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया, जिसमें झारखंड की टीम फर्स्ट रनरअप के स्थान पर रही।

इस प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के गोल्ड मेडलिस्ट पहलवान नवीश कुमार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। नवीश ने बताया कि उन्होंने दो साल बाद मैट पर वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। हिमाचल की महिला कोच अंकिता ठाकुर के अनुसार, उनके राज्य के 15 खिलाड़ियों के दल ने कुल चार गोल्ड, पांच सिल्वर और कई ब्रॉन्ज मेडल जीतकर ऑल ओवर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा किया। स्वर्ण पदक विजेताओं को सरकार की ओर से 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिससे जनजातीय क्षेत्रों के उभरते खिलाड़ियों को भविष्य में अपनी डाइट और ट्रेनिंग की सुविधाओं को बेहतर बनाने में बड़ी मदद मिलेगी। समापन समारोह के दौरान खिलाड़ियों और कोचों ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी और आयोजन की जमकर प्रशंसा की। महिला कोच अंकिता ठाकुर ने कहा कि अब हिमाचल और असम जैसे राज्यों की लड़कियां भी कुश्ती में लड़कों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। हालांकि, उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि जनजातीय बच्चों में अपार शक्ति और स्ट्रेंथ है, लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने के लिए और अधिक बेहतर कोच, आधुनिक डाइट प्लान और विश्वस्तरीय सुविधाओं की आवश्यकता है। इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया है कि यदि सही मंच मिले, तो देश के दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों से भी विश्वस्तरीय पहलवान निकल सकते हैं।

ईरान को मैच खेलने जाना ही होगा अमेरिका, फीफा का कड़ा फरमान, प्रेसिडेंट ने साफ किया रुख

ईरान (एजेंसी)। ईरान को विश्व कप 2026 के अपने मुकाबले अमेरिका में ही खेलने होंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट किया कि सभी मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे।

फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी अमेरिका के साथ कनाडा और मैक्सिको के पास है। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक 16 अलग-अलग मैदानों पर खेला जाएगा। इस बार प्रतियोगिता में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें ईरान की टीम भी शामिल है। ग्रुप जी में ईरान का मुकाबला बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड से होगा। उसके ग्रुप चरण के मैच इंगलवुड और सिएटल में आयोजित किए जाएंगे।

अमेरिका में ही खेलने होंगे मुकाबले

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान को अपने सभी मुकाबले तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेलने होंगे। उन्होंने साफ कहा कि मुकाबलों का स्थान नहीं बदला जाएगा और सभी मैच उसी देश में होंगे, जहां उन्हें पहले से निर्धारित किया गया है। गौरतलब है कि ईरानी फुटबॉल संघ ने हाल ही में यह इच्छा जताई थी कि उनके मुकाबलों को अमेरिका से हटाकर मैक्सिको में कराया जाए। लेकिन फीफा प्रमुख ने इस मांग को खारिज करते हुए कहा कि प्रतियोगिता का कार्यक्रम नहीं बदलेगा और सभी टीमों को तय स्थानों पर ही खेलना होगा।

ईरान की तैयारी जारी

इन सबके बीच ईरान की टीम अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। तुर्की में खेले जा रहे अभ्यास मुकाबलों के दौरान टीम ने अपनी मजबूती दिखाई है। कोस्टा रिका के खिलाफ खेले गए अभ्यास मुकाबले में ईरान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-0 से जीत हासिल की। इसी दौरान जियानी इन्फेंटिनो ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान विश्व कप में जरूर हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि ईरान एक मजबूत टीम है और उसे प्रतियोगिता में खेलते देखना सुखद होगा। उनके इस बयान से उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान शायद इस बार विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाएगा।

इतिहास बदलने की चुनौती

ईरान की टीम अब तक सात बार विश्व कप में हिस्सा ले चुकी है और 2026 उसका आठवां अवसर होगा। हालांकि, अब तक वह कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी है। ऐसे में इस बार टीम के सामने इतिहास बदलने की बड़ी चुनौती होगी। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए ईरान से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। अब देखना होगा कि क्या यह टीम इस बार अपने पुराने रिकॉर्ड को सुधारते हुए अगले दौर में जगह बना पाती है या नहीं।

मेसी के गोल और असिस्ट से अर्जेंटीना की शानदार जीत, मैत्री मैच में जाम्बिया को 5–0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मंगलवार को जाम्बिया को 5–0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला ब्यूनस आयर्स के मशहूर ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में खेला गया। कोच लियोनेल स्कालोनी ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद मेसी को दोबारा प्लेइंग इलेवन में शामिल किया, और उन्होंने तुरंत असर दिखाया। मैच के चौथे मिनट में ही मेसी ने शानदार पास देकर जूलियन अल्वारेज से पहला गोल करवाया।

अर्शदीप आईपीएल में सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे खिलाड़ी बने

न्यू चंडीगढ़ ।पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले के एक ही ओवर में 11 गेंदें फेंककर एक अनचाहा रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे गेंदबाज बन गये हैं। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा और हार्दिक पंड्या सहित पांच गेंदबाजों के नाम संयुक्त रुप से आईपीएल में सबसे लंबा ओवर करने का रिकार्ड है। वहीं गुजरात के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप ने पारी के 20वें ओवर में कुल 11 गेंदें फेंकी। इसके बाद अर्शदीप ने नए ओवर की पहली ही गेंद वाइड की। अगली दो गेंदों पर कोई रन नहीं बना। राहुल ओवर की तीसरी गेंद पर तेवतिया ने चौका लगा दिया। अर्शदीप ने इसके बाद एक नो–बॉल और दो वाइड गेंदें की। वहीं पांचवीं गेंद पर तेवतिया ने एक रन लिया। वहीं अगली ही गेंद अर्शदीप ने वाइड की।

वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले : माइकल वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा है उसे भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। वैभव ने जिस प्रकार राजस्थान रॉयल्य की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 15 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया उससे वॉन हैरान हैं। वॉन ने कहा कि वैभव को अब आने वाले समय में इंग्लैड दौरे पर भेजना चाहिये। उनका मानना है कि इस उभरते हुए बल्लेबाज को एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार किया जाना चाहिये। वॉन के अनुसार अगर वैभव इंग्लैंड दौरे के लिए सीमित ओवरों के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं बना पाते, तो भी उन्हें तीन टी20 मैचों की टीम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने और माहौल समझने का अनुभव मिलेगा। वॉन ने कहा, 'वो भारतीय टीम में कब शामिल किया जाता है मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। अगर मैं भारतीय क्रिकेट में होता, तो मैं उसे उस दौरे पर ले जाता। जरूरी नहीं कि वो अभी टीम में खेल रहे खिलाड़ियों की जगह ले पर उसे टीम के माहौल में लाना जरूरी है। उसे टीम के साथ लाओ, अगर एक–दो मैच खेलने का मौका मिले तो शानदार, लेकिन उसे दौरे पर ले जाओ। उन्होंने साथ ही कहा, 'मैं उसे भारतीय टीम के साथ थोड़ा अनुभव दिलाता। जरूरी नहीं कि वो सीधे टीम में शामिल हो पर उसका टीम के साथ रहना अनुभव के हिसाब से अच्छा रहेगा। उसके प्रदर्शन पर किसी को भी संदेह नहीं है।' पिछले एक साल में वैभव ने काफी रन बनाए हैं। सिर्फ आईपीएल ही नहीं अंडर–19 क्रिकेट में भी धमाका किया है। उन्होंने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में शतक लगाये हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन बनाये। इसके अलावा अंडर–19 विश्वकप में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इस बल्लेबाज ने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल में 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा दिखायी थी। उसे बाद से ही वैभव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अंडर-20 एशियाई कप फुटबॉल में जापान के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

पाथुम थानी (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 में अपना अभियान जापान की मजबूत टीम के खिलाफ शुरू करेगी और इस टूर्नामेंट में खेलने के 20 साल के इंतजार को खत्म करेगी। भारत के लिए यह एक मैच से कहीं अधिक है क्योंकि टीम ने दो दशक में पहली बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

मुख्य कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने शुरुआती मैच से पहले वास्तविकता और महत्वाकांक्षा दोनों पर जोर दिया। स्वीडन के कोच एलेक्जेंडरसन ने कहा, 'हमें अच्छी तरह पता है कि भारतीय टीम के साथ हम अभी इस माहौल में नए हैं। हम जानते हैं कि हमारा सामना मजबूत विरोधियों से है और हम उनका सम्मान करते हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन साथ ही हमारी सोच यह है कि हम इस ग्रुप से आगे बढ़ें और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करें। यह पूरे देश के लिए बहुत शानदार होगा।'

इस टूर्नामेंट के लिए भारत की तैयारी बहुत विस्तृत और व्यवस्थित तरीके से हुई है। कजाखस्तान में खेले गए मैत्री मुकाबलों से लेकर स्वीडन में एक महीने तक चले ट्रेनिंग शिविर तक पूरा ध्यान एक ऐसी टीम बनाने पर रहा है जो बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो। कोच ने कहा, 'हम पिछले तीन महीने से लगातार एक साथ हैं।'

एलेक्जेंडरसन ने कहा, 'हमने कजाखस्तान में कुछ मैत्री मैच खेले। हम एक महीने के शिविर के लिए स्वीडन भी गए और हमने उज्बेकिस्तान की टीम को भी भारत में आमंत्रित किया था।' उन्होंने कहा, 'तो हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है। मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। म्यांमार में हुए क्वालीफायर मुकाबलों के बाद से हमने बहुत ही एकाग्र होकर काम किया है। हमने तकनीकी, रणनीतिक और मानसिक हर तरह से एक टीम के तौर पर काफी सुधार किया है। हमें पूरा भरोसा है कि हमारी तैयारी ने हमें सबसे अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया है।'

प्रतियोगिता के पहले मैच में भारत के सामने दुनिया की सबसे मजबूत टीम में से एक की चुनौती है। अंडर-20 एशियाई कप की रिकॉर्ड छह बार की चैंपियन जापान की टीम इस बार भी प्रबल दावेदार के तौर पर आई है और 2018 में विश्व चैंपियन भी बनी थी। मुख्य कोच अकीरा इजिरी ने अपनी टीम के इरादे साफ किए। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य साफ है। हम ग्रुप चरण से आगे बढ़कर विश्व कप जीतना चाहते हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए हम अपनी पूरी जान लगा देंगे।'

जापान, ऑस्ट्रेलिया (पांच अप्रैल) और चीनी ताइपे (आठ अप्रैल) के साथ कड़े ग्रुप सी में होने की वजह से भारत का नॉकआउट चरण में जगह बनाना मुश्किल लग रहा है। तीनों ग्रुप में से शीर्ष दो टीम और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीम फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में बेथ को पीछे छोड़कर जॉर्जिया शीर्ष पर पहुंची

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर परिषद (आईसीसी) की महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। जॉर्जिया वॉल ने अपनी ही साथी खिलाड़ी बेथ मूनी को पीछे छोड़ा है। जॉर्जिया 8 स्थान ऊपर आयी हैं। वहीं भारत की स्मृति मंधाना दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड की अमेलिया केर पहले नंबर पर हैं। वहीं वेस्टइंडीज की हीली मैथ्यूज अब दूसरे स्थान पर आ गयी हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में रेणुका सिंह ठाकुर पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो शीर्ष पर सादिया इकबाल हैं, जबकि दूसरे स्थान पर सोफी एक्लेस्टोन हैं। तीसरे पायदान पर दीप्ति शर्मा, चौथे नंबर पर लॉरेन बेल और पांचवें पायदान पर रेणुका सिंह ठाकुर हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग पर नजर डालें तो शीर्ष पर अमेलिया केर हैं। दूसरे पायदान पर हीली मैथ्यूज, तीसरे पर दीप्ति शर्मा, चौथे पर एश्ली गार्डनर और चमारी अट्टापट्टू पांचवें नंबर पर हैं। नई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आईसीसी ने जो लेटेस्ट रैंकिंग जारी की है, उसमें नई नंबर वन बल्लेबाज और नई नंबर वन ऑलराउंडर देखने को मिली है।

मोटे बल्ले से बल्लेबाजी करते हुए पकड़े गये राहुल तेवतिया

मुल्लापुर। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज राहुल तेवतिया आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में उस समय फंस गये जब अंपायर ने मोटे बल्ले का प्रयोग करने के लिए उन्हें पकड़ लिया। अंपायर ने जांच में पाया कि तेवतिया का बल्ला मोटा था। इस प्रकार के बल्ले को वैध नहीं माना जाता है। इसके बाद अंपायर ने तेवतिया को बल्ला बदलने के लिए कहा। तेवतिया ने अंपायर की बात मानते हुए एकदम से बल्ला बदल लिया। आईपीएल में मैच के दौरान कभी भी बल्ले की जांच हो जाती है। अंपायरों के पास एक बैट गेज होता है, जिसकी जांच में अगर बल्ला अगर नहीं निकलता है तो उस बल्ले को बदल दिया जाता है। तेवतिया के मामले में भी ऐसा ही हुआ। वहीं तेवतिया ने कहा कि उनके बल्ले के पीछे स्टीकर लगा हुआ है, जिसकी वजह से बल्ला मोटा नजर आ रहा है पर अंपायरों ने उनकी नहीं सुनी और बल्ला बदलवा दिया। एमसीसी के नियमों के अनुसार बल्लेब की मोटाई 67एमएम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और किनारे 40एमएस से ज्यादा मोटे न हों। मोटे बल्ले के लिए कोई तय सजा नहीं है पर आईपीएल आचारसहिता के हिसाब ने 50 फीसदी तक की मैच फीस काटी जा सकती है।

श्रेयस अय्यर पर लगा 12 लाख जुर्माना

मुल्लापुर(ईएमएस)। आईपीएल मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पंजाब टीम की धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता का उलंघन मानते हुए श्रेयस पर ये जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से कहा गया है कि पंजाब किंग्स ने धीमी ओवर गति के साथ ही आचार संहिता का उलंघन किया है। इसी कारण पंजाब के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। टीम पंजाब किंग्स टीम अपने घरेलू मैदान में खेले गये इस मैच में टाइटन्स के खिलाफ समय पर आखिरी ओवर को शुरू नहीं कर पाई थी। पहली पेनल्टी तो मैच में ही पंजाब किंग्स पर लग गई थी, जब एक फील्डर को टीम बाहर नहीं रख पाई थी। पांच की जगह चार ही फील्डर बाउंड्री लाइन पर थे। वहीं, अब उन पर स्लो ओवर रेट के लिए फाइन भी लगा है। नियम के अनुसार एक बार टीम इस अपराध के लिए दोषी पाई जाती है तो टीम की मैच फीस भी काटी जाती है कप्तान को दोगुन जुर्माना भरना पड़ता है। इसके अलावा कप्तान पर एक मैच के लिए प्रतिबंध भी लगता है।

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुझे टी20 के लिए योग्य नहीं माना जा रहा : शमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उन्हें पिछले पांच से छह साल में 130 विकेट लेने के बाद भी टी20 के लिए उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। शमी के अनुसार उन्होंने एकदिवसीय में सबसे तेजी से 200 विकेट लिए हैं। टी20 प्रारुप में भी उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है। इसके बाद भी उन्हें टी20 मैचों में अवसर नहीं मिल रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने माना कि आईपीएल के पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था पर इसके पहले के सत्र में उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल था। शमी ने साल 2023 में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किय था। इसके बाद भी उन्हें टी20 के लायक नहीं माना जा रहा है। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 5-6 सालों में उन्होंने 130 के करीब विकेट लिए हैं, फिर भी उन्हें टी20 गेंदबाज नहीं समझा जाता, ऐसे में वह क्या कर सकते हैं।

शमी ने कहा, 'आईपीएल के बाद पिछला रिकॉर्ड देखने पर पता चलता है कि देश कोई भी अन्य गेंदबाज मेरे करीब नहीं पहुंचा है। इसके बाद भी मुझे टी20 का गेंदबाज नहीं कहा जाता है।' इसके बाद उन्होंने कहा कि आईपीएल में पर्पल कैप के बाद भी उनको टी20 का गेंदबाज नहीं माना जाता।शमी पिदले दो से तीन साल से टेस्ट में शामिल नहीं हैं। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अंतिम बार साल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी भारत की तरफ से संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उसके बाद से ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। इस दौरान घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है हालांकि इसके बाद भी उन्हें एशिया कप और टी20 क्रिकेट विश्व कप में जगह नहीं मिली। शमी का अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भी खेलना संदिग्ध है।

गौरतलब है कि शमी आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन करते आए हैं पर पिछला सीजन उनके लिए अच्छा नहीं गया था। आईपीएल 2025 में वह सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे लेकिन 9 मैच में सिर्फ 6 विकेट ही ले पाये थे। शमी 2019 से लेकर 2024 तक लगातार आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स की तरफ से 2019 में 19 विकेट, 2020 में 20 विकेट और 2021 में 19 लिए थे। 2022 में शमी गुजरात टाइटंस के साथ चले गए और उन्होंने 20 विकेट झटके। आईपीएल 2023 में उन्होंने 28 विकेट झटके और पर्पल कैप जीता। आईपीएल 2024 में वह नहीं खेले थे और पिछले साल यानी आईपीएल 2025 में वह सिर्फ 6 विकेट ही ले पाए थे। इस बार वह लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम में शामिली हैं। उनके आने से सुपरजायंट्स की गेंदबाजी मजबूत हुई है।